website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 251 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 19 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए एवं इंडिया गठबंधन में रोचक मुकाबला होगा

-इंडिया गठबंधन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम से गठबंधन नहीं करना चाहता है

-जन स्वराज पार्टी प्रमुख प्रशांत किशोर का कहना है कि भाजपा को हराने के लिए सभी सेक्युलर राजनीतिक दलों को एक साथ आना चाहिए

-इंडिया गठबंधन और एआईएमआईएम का भविष्य मुस्लिम वोटरों के हाथ में

एम खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बिहार में मतदाता सूची पूर्निरीक्षण कार्य (SIR) को लेकर चुनाव आयोग और विपक्षी दलों में घमासान अब सड़कों पर आ गया है। SIR के विरोध में संसद में विपक्षी दल के नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल के नेता एवं बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मतदाता अधिकार यात्रा सोमवार से शुरू कर दी है। मतदाता अधिकार यात्रा में बिहार की जनता भारी संख्या में उमड़ रही है। इससे माना जा रहा है कि भाजपा, जनता दल यूनाइटेड, लोजपा, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा का संयुक्त गठबंधन एनडीए और कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल सहित अन्य छोटे दल जो इंडिया गठबंधन में शामिल दलों में रोचक मुकाबला होने जा रहा है। बिहार में चुनाव आयोग पर सत्ताधारी पार्टी के समर्थन के आरोप लग रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनाव आयोग को भविष्य में सख्त निर्देश मिलने की संभावना है। बिहार चुनाव एनडीए और इंडिया गठबंधन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। बिहार में दलित, पिछड़े वर्ग एवं मुस्लिम वर्ग के वोटरों की बड़ी संख्या है। स्वर्ण वर्ग बिहार में पूरी तरह भाजपा के साथ है। तो कुर्मी वोटर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ हैं। यादव वर्ग के वोटर इस बार तेजस्वी यादव के साथ दिखाई दे रहा है। दलित वोटर लोजपा, हम, राजद, जेडीयू, भाजपा एवं कांग्रेस सब में बटता है। इसी तरह मुस्लिम वोटर राजद, कांग्रेस, एआईएमआईएम एवं जेडीयू में बटता है। इसलिए कहा जा सकता है कि कोई भी जाति वर्ग किसी एक दल के साथ पूरी तरह मजबूती से नहीं है।

इंडिया गठबंधन एवं एआईएमआईएम

इंडिया गठबंधन में प्रमुख रूप से कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल मुख्य राजनीतिक दल है। राहुल गांधी को देश का सेक्युलर नेता माना जाता है और इसी तरह लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव को मुसलमान का हितेषी नेता माना जाता है। कांग्रेस और राजद को बिहार के 20 प्रतिशत मुसलमानो के वोट चाहिए जिससे बिहार की सत्ता उनके हाथ लग जाए। लेकिन इन नेताओं और पार्टियों को मुस्लिम मुद्दों पर बोलने वाले नेता नहीं चाहिए। इसीलिए बिहार एआईएमआईएम अध्यक्ष अख्तरूल ईमान की इंडिया गठबंधन में शामिल करने की अपील का इंडिया गठबंधन के नेताओं ने कोई जवाब नहीं दिया। अख्तरुल ईमान ने इंडिया गठबंधन के नेताओं को पत्र लिखा है कि सेक्युलर वोटरों के विभाजन को रोकने के लिए एआईएमआईएम को इंडिया गठबंधन में शामिल करना चाहिए। लेकिन पत्र का अभी तक कोई जवाब नहीं दिया गया है। इंडिया गठबंधन के नेताओं की इच्छा रहती है कि मुस्लिम वोटरों के समर्थन से उनको सत्ता की कुर्सी मिल जाए लेकिन उनको होनहार मुस्लिम लीडर स्वीकार नहीं है। पिछले विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम पार्टी ने 5 से 6 सीटे जीती थी और दर्जनों सीटों पर दूसरे नंबर पर रही थी। इस बार एआईएमआईएम ने बिहार विधानसभा चुनाव में 100 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। बिहार का मुस्लिम वर्ग इस बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी वक़्फ़ संशोधित बिल को लेकर नाराज है। इसलिए बिहार का मुस्लिम इस बार एआईएमआईएम का खुलकर समर्थन करेगा या फिर इंडिया गठबंधन को समर्थन देकर तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाएंगा, यह विधानसभा चुनावों के बाद ही पता चल पाएंगा। एआईएमआई का भविष्य मुस्लिम वोटरों के समर्थन पर ही टिका है।

बिहार की राजनीति में प्रशांत किशोर

जन स्वराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर भी बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी राजनीतिक उपस्थिति दर्ज करवाने की भरपूर कोशिश कर रहे हैं। प्रशांत किशोर को चुनावी रणनीति का चाणक्य माना जाता है। उन्होंने अपनी चुनावी रणनीति के आधार पर कई राजनीतिक दलों को सत्ता दिलादी। अब स्वयं बिहार की सत्ता में आने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। प्रशांत किशोर जब से राजनीति में आए हैं, उनकी राजनीतिक विचारधारा लगातार बदलती रहती है। शुरुआत में प्रशांत किशोर बिहार की राजनीति में अकेले चलना चाहते थे। अब सभी सेक्युलर राजनीतिक दलों को मुसलमानों के साथ गठबंधन करने की सलाह दे रहे हैं और उस गठबंधन में स्वयं भी शामिल होना चाहते हैं। लेकिन इंडिया गठबंधन के नेताओं से उनकी पटरी नहीं बैठ पा रही है और साथ में बिहार के मुसलमानों का वे समर्थन लेना चाहते हैं। बिहार में सिर्फ भाजपा एकमात्र पार्टी है जो मुसलमानों का विरोध भी खुलकर करती है और उनका वोट लेने की इच्छा भी नहीं रखती है। लेकिन भाजपा का ऐसे कई दलों से समझौता है जो मुस्लिम वोटरों का समर्थन लेते रहे हैं और लेने की इच्छा रखते हैं।

ट्रंप वापस ले सकते हैं हाई टैरिफ, भारत में निवेशित रहें- अमेरिकी ब्रोकिंग फर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी ब्रोकिंग फर्म जेफरीज ने अपने ग्राहकों को भारत में बिकवाली करने की जगह खरीदारी की सलाह दी है। साथ ही कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों का यू-टर्न होना तय है। अमेरिकी ब्रोकिंग फर्म में प्रमुख एनालिस्ट क्रिस्टोफर वुड ने कहा कि उनके ग्राहक वर्तमान वैश्विक बाजार परिवेश और इस संभावना के कारण भारत में निवेश करने पर विचार कर रहे हैं,क्योंकि ट्रंप अंततः अपना रुख बदल देंगे।

वुड ने कहा, "यह केवल कुछ समय की बात है ट्रंप अपने रुख से पीछे हट जाएंगे, जो कि अमेरिका के हित में नहीं है। इससे यह स्पष्ट होता है कि अगर कोई ट्रंप के सामने खड़ा होता है तो उसे लाभ होता है।" उन्होंने स्पष्ट किया है कि ट्रंप की ओर से ब्रिक्स देशों के खिलाफ कोई भी एक्शन उन्हें डी-डॉलराइजेशन की ओर ले जाएगा। ब्रिक्स देशों में ब्राजील, रूस, इंडिया, चीन और साउथ अफ्रीका का नाम शामिल है।

डी-डॉलराइजेशन वह स्थिति है, जिसमें देश डॉलर की बजाय अन्य विदेशी मुद्राओं या घरेलू मुद्राओं में विदेशी व्यापार करना शुरू कर देते हैं। विश्लेषक ने कहा कि जेफरीज ने भारत पर, खासकर अपने एशिया (जापान को हटाकर) लॉन्ग-ओनली पोर्टफोलियो में, लगातार तेजी का रुख बनाए रखा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले 15 वर्षों में वैश्विक उभरते बाजारों की तुलना में, भारत ने पिछले 12 महीनों में सबसे ज्यादा खराब प्रदर्शन किया है। ब्रोकिंग फर्म ने एशिया (जापान को हटाकर) में भारत पर "मार्जिनल ओवरवेट" रुख भी बनाए रखा है। वुड ने कहा, "भारत एशिया में सबसे अच्छी दीर्घकालिक संरचनात्मक स्थिति का प्रतिनिधित्व करता है," हालांकि बाजार "उच्च मूल्यांकन और भारी इक्विटी आपूर्ति का सामना कर रहा है।"

भारतीय शेयर बाजार एक साल की फॉरवर्ड अर्निंग के 20.2 गुना पर कारोबार कर रहे हैं, जो अक्टूबर 2021 के उच्चतम स्तर 22.4 गुना से कम है। एनालिस्ट वुड ने कहा कि ब्रिक्स देश मुख्य रूप से अमेरिकी प्रशासन की विदेश नीति में एक वैचारिक ढांचे के अभाव के कारण फिर से एकजुट हो रहे हैं।

कई मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधियों की 25 से 29 अगस्त के बीच प्रस्तावित नई दिल्ली यात्रा को पुनर्निर्धारित किया जा सकता है।

गौरतलब हो, अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध खराब हो गए हैं। 27 अगस्त से अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लागू होने की धमकी दी गई है।

सीमा पर शांति और परस्पर सहयोग से ही आगे बढ़ेंगे भारत-चीन संबंध- एस.जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत-चीन संबंधों में किसी भी सकारात्मक प्रगति का आधार सीमा पर शांति और स्थिरता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और विश्वास बहाल करने की प्रक्रिया आगे बढ़नी बेहद जरूरी है। जयशंकर ने यह बात नई दिल्ली में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ एक बैठक के दौरान कही। उन्होंने बताया कि वांग यी भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सीमा मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जो बेहद अहम है।

इस बैठक में विदेश सचिव विक्रम मिस्री और दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। जयशंकर ने कहा कि जब दुनिया के दो बड़े देश मिलते हैं तो अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन एक न्यायसंगत, संतुलित और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था चाहते हैं, जिसमें बहुध्रुवीय एशिया भी शामिल है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता बनाए रखना जरूरी है और आतंकवाद से हर रूप में लड़ना भी प्राथमिकता है। बैठक के दौरान द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा और वैश्विक हालात पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक मुद्दे, तीर्थ यात्राएं, जन-से-जन संपर्क, नदी डेटा साझा करना, सीमा व्यापार, कनेक्टिविटी और द्विपक्षीय आदान-प्रदान जैसे विषय चर्चा में शामिल रहे।

जयशंकर ने माना कि भारत-चीन संबंधों ने हाल के वर्षों में कठिन दौर देखा है, लेकिन अब आगे बढ़ने के लिए स्पष्ट और रचनात्मक दृष्टिकोण जरूरी है। उन्होंने कहा कि रिश्तों को तीन "म्यूचुअल्स" यानी परस्पर सम्मान, परस्पर संवेदनशीलता और परस्पर हितों से मार्गदर्शित होना चाहिए। मतभेद विवाद में और प्रतिस्पर्धा संघर्ष में नहीं बदलनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की मौजूदा अध्यक्षता के दौरान चीन के साथ निकट सहयोग किया है। साथ ही, उन्होंने वांग यी को 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चीन के तियानजिन में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि यह सम्मेलन मजबूत नतीजे देगा। जयशंकर ने कहा कि भारत की उम्मीद है कि इस बैठक से दोनों देशों के बीच स्थिर, सहयोगात्मक और भविष्य की ओर देखने वाले संबंध बनेंगे, जो दोनों देशों के हितों की पूर्ति करेंगे और चिंताओं का समाधान भी करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से मुलाकात की

- एक्सिओम-4 मिशन की ऐतिहासिक सफलता पर दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अंतरिक्ष यात्री और वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से मुलाकात की। यह मुलाकात उनके अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से सफल वापसी के बाद हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने शुक्ला को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी और उनके अंतरिक्ष अनुभव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति तथा महत्वाकांक्षी 'गगनयान' मिशन पर चर्चा की। मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि भारत को शुक्ला की उपलब्धियों पर गर्व है। गौरतलब है कि शुभांशु शुक्ला ने नासा के एक्सिओम-4 मिशन में बतौर पायलट हिस्सा लिया था। यह मिशन 25 जून को अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च हुआ था। शुक्ला 15 जुलाई को पृथ्वी पर लौटे और कैलिफोर्निया तट के पास समुद्र में उतरे। इसके साथ ही वे 41 साल बाद अंतरिक्ष जाने वाले पहले भारतीय बन गए। बीते रविवार तड़के वे नई दिल्ली पहुंचे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने संसद में शुक्ला की इस सफलता को पूरे देश के लिए गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल एक मिशन की सफलता नहीं है, बल्कि भारत के 'विकसित भारत 2047' लक्ष्य की दिशा में एक अहम कदम है। वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी शुक्ला की इस उपलब्धि की प्रशंसा की और कहा कि यह मिशन भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान कार्यक्रम के लिए एक मजबूत आधार है और इससे देशवासियों का आत्मविश्वास और बढ़ा है। अंतरिक्ष यात्री शुंभाशु शुक्ला का यह मिशन भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर नई पहचान देता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत है।

बिहार एसआईआर पर चुनाव आयोग ने कहा- विपक्ष की ओर से नहीं मिली कोई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को विशेष गहन पुनरिक्षण (एसआईआर) को लेकर डेली बुलेटिन जारी किया है। इस बुलेटिन के मुताबिक, 1 अगस्त से 18 अगस्त के बीच किसी भी राजनीतिक दल की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

18 दिनों में किसी भी दल की ओर से कोई आपत्ति दर्ज नहीं की गई

ईसीआई के अनुसार, बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 1 अगस्त को जारी प्रारूप मतदाता सूची पर 18 दिनों (1 अगस्त दोपहर 3 बजे से 18 अगस्त दोपहर 3 बजे तक) में किसी भी राजनीतिक दल की ओर से कोई दावा या आपत्ति दर्ज नहीं की गई है। दावे और आपत्तियां दाखिल करने के लिए अब केवल 14 दिन बचे हैं।

18 दिनों में 45,616 आवेदन प्राप्त हुए

चुनाव आयोग ने बताया कि पिछले 18 दिनों में पात्र मतदाताओं को शामिल करने और अपात्र मतदाताओं को हटाने के लिए 45,616 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से सात दिन बाद 1,348 का निपटान किया गया है। इसके अलावा, 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के नए मतदाताओं से 1,52,651 फॉर्म 6 (घोषणा सहित) प्राप्त हुए हैं, जिनमें बीएलए से प्राप्त छह फॉर्म शामिल हैं।

आपत्तियों का निपटारा 7 दिनों से पहले नहीं

ईसीआई के अनुसार, बिहार में कुल बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) 1,60,813 हैं। राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए ने कोई दावा (फॉर्म 6) या आपत्ति (फॉर्म 7) दाखिल नहीं की है। चुनाव आयोग ने यह भी बताया कि नियमों के अनुसार, पात्रता दस्तावेजों की जांच के बाद दावे और आपत्तियों का निपटारा 7 दिनों से पहले नहीं किया जा सकता।

विशेष संक्षिप्त संशोधन आदेशों के तहत, 1 अगस्त 2025 को प्रकाशित मसौदा सूची से किसी भी मतदाता का नाम बिना जांच और उचित सुनवाई के बाद स्पष्ट आदेश के बिना नहीं हटाया जा सकता।

हटाए गए मतदाताओं की सूची, जो मसौदा मतदाता सूची (01.08.2025) में शामिल नहीं हैं, संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों या जिलाधिकारियों की वेबसाइटों और मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर ईपीआईसी सर्च मोड में उपलब्ध है। प्रभावित व्यक्ति अपने दावों के साथ आधार कार्ड की प्रति जमा कर सकते हैं।

केंद्र ने दोहराया यूपीआई पेमेंट पर लेनदेन शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सोमवार को दोहराया कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) आधारित डिजिटल भुगतान पर किसी भी प्रकार का लेनदेन शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। यह बयान डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और इसे उपयोगकर्ताओं के लिए किफायती बनाए रखने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

यूपीआई पर शुल्क से साफ इनकार

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में स्पष्ट किया, "भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम 2007 की धारा 10A के तहत, यूपीआई जैसे इलेक्ट्रॉनिक भुगतान माध्यमों पर कोई भी बैंक या सिस्टम प्रदाता शुल्क नहीं लगाएगा।" केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269एसयू के तहत शुल्क-मुक्त भुगतान माध्यमों के रूप में अधिसूचित किया है।

यूपीआई सेवाओं के लिए प्रोत्साहन

यूपीआई की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 से 2024-25 तक प्रोत्साहन योजना लागू की। इस दौरान, इकोसिस्टम पार्टनर्स को लगभग 8,730 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन समर्थन प्रदान किया गया।

यूपीआई लेनदेन में रिकॉर्ड वृद्धि

यूपीआई ने डिजिटल भुगतान में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 2017-18 में 92 करोड़ लेनदेन से शुरू होकर, वित्त वर्ष 2024-25 में यह 18,587 करोड़ तक पहुंच गया, जो 114% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्शाता है। लेनदेन मूल्य भी 1.10 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 261 लाख करोड़ रुपये हो गया। जुलाई 2025 में यूपीआई ने 1,946.79 करोड़ से अधिक लेनदेन के साथ नया कीर्तिमान स्थापित किया।

डिजिटल भुगतान का विस्तार

देश में कुल डिजिटल भुगतान लेनदेन वित्त वर्ष 2017-18 के 2,071 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 22,831 करोड़ हो गए, जो 41% की सीएजीआर को दर्शाता है। इस अवधि में लेनदेन मूल्य 1,962 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 3,509 लाख करोड़ रुपये हो गया।

उल्लेखनीय है कि यूपीआई की शुल्क-मुक्त नीति और सरकार की प्रोत्साहन योजनाओं ने भारत को डिजिटल भुगतान में वैश्विक अग्रणी बनाया है। यह प्रणाली न केवल उपयोगकर्ताओं के लिए सुविधाजनक है, बल्कि देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है।

दिल्ली एम्स प्रशासन ने सुरक्षा जवानों को एक महीने का विशेष पुलिस प्रशिक्षण किया प्रदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एम्स प्रशासन ने एक पहल के तहत स्थायी सुरक्षा जवानों को दिल्ली पुलिस अकादमी, झड़ोदा कलां में एक महीने का विशेष पुलिस प्रशिक्षण प्रदान किया। एम्स सुरक्षा व्यवस्था को और भी सुदृढ़ एवं मजबूत बनाने के लिए यह प्रशिक्षण दिया गया। इस ट्रेनिंग का प्रस्ताव मुख्य सुरक्षा अधिकारी के अथक प्रयासों तथा एम्स उपनिदेशक व एम्स निदेशक के दिशा निर्देशों के तहत संभव हुआ है।

6 अगस्त 25 को प्रथम ट्रेनिंग बैच, जिसमें 30 सुरक्षा जवानों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया जिसके तहत प्रतिभागियों को सुरक्षा कौशल, निगरानी तकनीक, आगंतुक प्रबंधन, संघर्ष निवारण तकनीक, भीड़ नियंत्रण, कतार प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा और निकासी प्रक्रिया, आपदा प्रबंधन, चिकित्सा आपातकालीन सहायता, आतंकवादी खतरे के बारे में जागरूकता, अस्पताल-विशिष्ट प्रोटोकॉल, संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा, वीवीआईपी गतिविधियों को संभालना और रोगी अनुरक्षण कर्तव्य का विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

इसके अलावा नैतिक आचरण और सत्यनिष्ठा, लैंगिक संवेदनशीलता और उत्पीड़न विरोधी, सॉफ्ट-स्किल्स, ग्राहक सेवा शिष्टाचार, टीमवर्क और अनुशासन, घटना रिपोर्ट लेखन, सुरक्षा उपकरणों का उपयोग, स्थानीय अधिकारियों और अस्पताल निकाय के महत्वपूर्ण आपातकालीन फोन नंबर, विभिन्न समूहों के प्रति सुरक्षा गार्ड का व्यवहार, कानूनी एवं नैतिक प्रशिक्षण और अधिनियम जैसे विविध विषयों पर गहन सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक उच्च दर्जे की शिक्षा दी गई। इस प्रशिक्षण से एम्स सुरक्षा जवानों की कार्यक्षमता, अनुशासन, आपातकालीन स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया और कानून व्यवस्था में समझ को और भी बेहतर बनाने में मदद मिली है। इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षण में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को विशेष महत्व दिया गया ताकि एम्स के सुरक्षा जवान हर परिस्थिति में सक्षम बने रहें। इस प्रशिक्षण का मुख्य उदेश्य संस्थान की सुरक्षा व्यवस्था को और भी सुदृढ़ बनाना है, जिससे रोजाना आने वाले डॉक्टर, रोगियों, आगंतुकों और एम्स कर्मचारियों की सुरक्षा और भी बेहतर होगी। एम्स निदेशक, उपनिदेशक तथा मुख्य सुरक्षा अधिकारी सहित सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने विशेष प्रशिक्षण समाप्त होने पर प्रशिक्षित कर्मियों को हार्दिक बधाई दी और अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था को और भी बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। सुरक्षा की दृष्टि से एम्स में यह एक बहुत ही ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

देश के चुनाव आयोग से जनता का भरोसा उठने लगा है

चुनाव आयोग पर देश के लोकतंत्र को बनाए रखने और मजबूत करने की जिम्मेदारी है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में जनता ही सर्वे सर्वा होती है। अपने मताधिकार के द्वारा जनता ही सरकार बनाती है और सरकार को जनता के हित में काम करने के लिए विवश करती है। राजनीतिक दलों एवं अन्य समूहों की मनमानी जो लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा सकती है, चुनाव आयोग रोकने का काम करता है। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी बनती है कि देश में लोकतांत्रिक सरकार चुनने के लिए साफ सुधरा चुनाव करवाया जाए। चुनावों में किसी भी प्रकार की धांधली, शंका एवं हेरा फेरी को दूर करने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की होती है। पूर्व चुनाव आयुक्त टी एन शेषन को चुनाव आयोग के इतिहास में आज भी याद किया जाता है। क्योंकि पूर्व चुनाव आयुक्त टी एन शेषन ने निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिए भरपूर प्रयास किए थे। मतदाता पहिचान पत्र उन्ही के कार्यकाल में जारी किए गए जिससे फर्जी मतदान में काफी हद तक कमी आयी थी। पूर्व चुनाव आयोग टी एन शेषन को अभी तक सबसे निष्पक्ष चुनाव आयुक्त माना जाता है। शेषन कभी भी किसी राजनीतिक दल के दबाव में नहीं आए थे। इसके विपरीत राजनीतिक दल पूर्व चुनाव आयुक्त टी एन शेषन के दबाव में साफ सुधरा चुनाव करवाने के लिए विवश थे। टी एन शेषन का देश के लोकतंत्र को मजबूत करने में बड़ा योगदान रहा था। वर्तमान में चुनाव आयोग कमजोर, वेवश, पक्षपाति एवं लोकतंत्र को कमजोर करने वाला दिखाई देता है। वोट चोरी, फर्जी वोट लिस्ट, ईवीएम हैकिंग एवं मनमानी चुनावी परिणामों देने वाला चुनाव आयोग देश के लोकतंत्र को कमजोर करने पर तुला हुआ है। कोई व्यक्ति, राजनीतिक दल, संस्था यदि चुनाव आयोग की कमजोरी ढूंढता है तो चुनाव आयोग उसी से जवाब मांगने लग जाता है। चुनाव आयोग किसी भी शिकायत की जांच करने में रुचि नहीं लेता है। कई बार तो चुनाव आयोग ऐसे ऐस हास्यपद दलीत देता है जो चुनाव आयोग के पक्षपाती होने की ओर संकेत करता है। अब तो कई दल चुनाव आयोग पर फर्जी तरह से वोट जोड़ने और घटाने के आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने फर्जी वोटर जोड़ने और हटाने के ठोस सबूत दे दिए हैं फिर भी चुनाव आयोग कोई कार्यवाही करने को तत्पर नहीं दिखाई दे रहा है। आखिर सुप्रीम कोर्ट को चुनाव आयोग को हटाए गए और जोड़े गए वोटो की पूरी लिस्ट वेबसाइट पर डालने का आदेश दिया है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग की साख देश की जनता की नजर में काफी नीचे आ गई है। वोट की चोरी लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ है। चुनाव आयोग में अयोग्य चुनाव आयुक्त बैठे हुए हैं। जो चुनाव प्रक्रिया की पूरी तरह मॉनिटरिंग नहीं कर पा रहे हैं। चुनावों में किसी भी तरह की धंधली को नहीं रोक पाना चुनाव आयुक्तों का बड़ा अपराध है। जिसकी सजा उनको मिलनी चाहिए।

इस्लाम में तालीम का महत्व

तक़रीबन 1450 साल पहले, एक पुर-सुकून और तन्हा घर में, अल्लाह रब्बुल इज्जत अपना नूर भरा पैग़ाम भेजता है — अपने सबसे महबूब और मुक़र्रम बंदे के क़ल्ब-ए-अतहर पर।

यह वही पैग़ाम है जिसकी शुरुआत अल्लाह ने हज़रत आदम (अलैहिस्सलाम) के जरिए इंसानों को दी, फिर तक़रीबन 124000 अंबिया के जरिए से होते हुए, अब अपनी तमाम कामिल शान के साथ आख़री पैग़ंबर पर नाज़िल होता है।

और इस पैग़ाम की इब्तिदा होती है सिर्फ़ एक लफ़्ज़ से: "इकरा" — पढ़ो!

क़ुरआन-ए-मजीद में 500 से 700 अहकाम हैं जिनमें इंसान को इंसानियत के अदाब सिखाए गए हैं, ताकि वो पैदा होने से लेकर मरते दम तक किन उसूलों और अदाब के साथ अपनी ज़िन्दगी बसर करें।

सोचने वाली बात ये है कि क़ुरआन-ए-मजीद ने इतने इंसानी हक़ूक़ बयान किए जैसे:

•हर शख़्स के साथ इंसाफ़ और इंसानियत का सुलूक करो। (सूरह अन-नहल 16:90)

•"जिसने एक जान को नाजायज़ मारा, उसने सारी इंसानियत को मारा।" (सूरह अल-माइदा 5:32)

•वादे की पाबंदी करो, क्यूंकि वादे के बारे में सवाल होगा। (सूरह अल-इसरा 17:34)

•वालिदैन के साथ हुस्न-ए-सुलूक करो। (सूरह अल-इसरा 17:23)

•ग़ीबत से बचो। (सूरह अल-हिज़ूरात 49:12)

ये सारे अहकाम हैं जिनके ज़रिये इंसान अपने आप को बेहतर इंसान बनाता है, और ये सब की शुरुआत "इक़रा" से हुई — पढ़ना, सीखना।

इस्लाम में इल्म यानी तालीम को बहुत तर्ज़ीह दी गई है। अरब की वो सरज़मीन जहां ज़ुल्म आम था, और इंसान को जानवर से भी बदतर समझा जाता था, वहां पहला इल्म का मर्कज़ क़ायम हुआ, जो इंसान को इंसानियत सिखाता है। सभी इंसान बराबर हैं, बेहतरी तक़वा में है, और किसी को दूसरे से कम समझने का हक़ नहीं।

आख़री पैग़ंबर पर क़ुरआन नाज़िल हो रहा था, वो लोगों को इसकी तालीम देते और इंसानियत का पाठ पढ़ाते।

622 ईसवी में जब नबी मदीना हिजरत कर गए, मस्जिद-ए-नबवी में पहला इंसानियत का तालीमी मार्कज़ क़ायम हुआ, जहां वो दिन-रात साहाबा को दीन सिखाते थे।

खलीफ़ा हज़रत अबू बकर रदी अल्लाहु अनहू के ज़माने में क़ुरआन की तदवीन (कॉम्पाइलेशन) का काम हुआ। उसके बाद हज़रत उमर रदी अल्लाहु अनहू के ज़माने में (13 हिज्री / 634 ईसवी) साहाबा को मुख़्तलिफ़ इलाक़ों में तालीम आम करने के लिए भेजा गया जैसे सीरिया, मिस्र, इराक, यमन, यरुशलम आदि।

हज़रत उमर के ज़माने में तालीम का प्रोपर निज़ाम, हिजरी कैलेंडर की शुरुआत, दफ्तरी यानी ऑफिस रिकॉर्ड जैसे काम, और ज्यूडिशियल सिस्टम जिस में उन्होंने हर शहर में काज़ी को लगाया ताकि वो अदालत और इंसाफ़ कायम रखे, हॉस्पिटल, फ़ौज और आम लोगों के लिए दवाखाने, और दरुल-क़रार मतलब मुसाफ़िरों के लिए रहने का निज़ाम, ये सब किया गया।

उस ज़माने के हिसाब से जितनी सुविधाएं जो एक मुल्क को तरक्क़ी करने के लिए चाहिए वो सब उन्होंने की, और यही काम आगे साहाबा के दौर में भी हुआ।

और ऐसे ही देखते-देखते शुरू हुआ इस्लामिक गोल्डन एज।

वो इस्लामिक गोल्डन एज जो आज भी दुनिया इस्तिफ़ादा उठा रही है।

इस्लामिक गोल्डन एज का आगाज़ लगभग 8वीं सदी ईसवी (700s के आस-पास) में हुआ, ख़ासकर जब अब्बासी खलीफ़त ने ताक़त संभाली — 750 ईसवी में।

और इस एम्पायर की राजधानी थी सिटी ऑफ़ बग़दाद, जिसे कहा जाता था 'द सिटी ऑफ़ पीस'।

अब्बासी सुल्तान बद्शाह अल-मंसूर का सपना था कि दुनिया के सारे इल्म को एक जगह इकट्ठा किया जाए।

उनका यह सपना हरून अल-रशीद और अल-मामून ने नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

और देखते ही देखते बग़दाद दुनिया का नॉलेज कैपिटल बन गया।

इस सब के बीच था बग़दाद का हाउस ऑफ़ विजडम यानी बैतुल हिक़्मह, जिसे आप आज का NASA, Harvard, Oxford भी मान सकते हैं।

वो सिर्फ एक इमारत नहीं थी, वो इल्म का गढ़ था जिसमें बहुत बड़ी लाइब्रेरी थी।

उस वक्त उसमें 5 लाख से ज़्यादा किताबें थीं, जबकि पूरे यूरोप में 100 से कम किताबें थीं।

और उस में एक अकादमी थी जिसमें मैथ, जियोग्राफी, फिलॉसफी, मेडिसिन पढ़ाई जाती थी।

यहाँ चीन से लेकर स्पेन तक के लोग नॉलेज शेयर करने आते थे।

और यह पहला ऐसा मार्कज़ बना जिसमें हिंदू, मुस्लिम, यहूदी, चीनी, क्रिश्चियन सब एक जगह मिलकर इल्म जमा करते थे।

और वो स्कॉलर बग़दाद के स्कॉलर्स को उनके वज़न के बराबर सोना दिया जाता था ताकि वे इस इल्म की तिजोरी को खोल सकें।

यही था हाउस ऑफ़ विजडम जहां से बड़े-बड़े साइंटिस्ट पैदा हुए जिन्होंने ऐसी-ऐसी डिस्कवरीज़ की जो आज तक पूरी दुनिया इस्तेमाल कर रही है।

चलिए अब जानते हैं वो कौन-कौन सी डिस्कवरीज़ थीं:

इब्ने सीना (Abu Ali Al-Hussein Ibn Abdullah Ibn Sina):

980 इस्वी में सेंट्रल एशिया के शहर बुख़ारा के करीब गांव अफशाना में पैदा हुए।

उन्होंने 10 साल की उम्र में क़ुरआन-ए-मजीद को अपने दिल में महफूज़ किया।

और उसके बाद उन्होंने इस्माइल अल-जाहिद से फ़िक़्ह का इल्म भी हासिल किया।

18 साल की उम्र में एक क्वालिफाइड फ़िज़ीशियन बन गए।

और उन्होंने 1025 में 'अल-कानून फी अल-तिब्ब' किताब लिखी।

इब्ने सीना ने अपनी ज़िंदगी में 240 किताबें लिखीं जिनमें से दो किताबें ऐसी थीं जिन्हें अल्लाह ने ऐसी कामयाबी दी कि वे बुनियाद बनीं आज की मॉडर्न मेडिकल साइंस की:

1.अल-कानून फी अल-तिब्ब (The Canon of Medicine)

2.किताब अल-शिफ़ा (The Book of Healing)

जो कि यूरोप और मिडिल ईस्ट में 700 साल तक मेडिकल टेक्स्टबुक रही (17वीं सदी तक)।

और इनके बारे में आता है कि ये कई मरीज़ों का इलाज फ्री में भी किया करते थे।

इनकी वफ़ात 1037 में ईरान के हमदान में हुई।

अल-ज़हरावी (Ab□ al-Q□-sim al-Zahr□w□):

इनका पूरा नाम है अबू अल-कासिम अल-जहरावी।

इनकी पैदाइश कॉर्डोबा (स्पेन) में 934 इस्वी में हुई।

उन्होंने उस वक़्त के मशहूर आलिम से क़ुरआन और हदीस का इल्म हासिल किया।

सबसे पहले उन्होंने 'The Method of Medicine' ये उनकी पहली किताब थी जो उन्होंने अपने करियर में लिखी।

उनकी मशहूर किताब 'अत-तसरीफ़' है जिसे लोग आज भी फायदा उठा रहे हैं।

और वो कई फ़न के माहिर थे जैसे सर्जरी में महारत।

इसलिए इन्हें 'फादर ऑफ़ सर्जरी' भी कहा जाता है।

इसी तरह के कई नाम हैं: अल-ख्वारिज़्मी, इब्ने सीना, अल-राज़ी, अल-बिरुनी, अल-किंदी।

अगर आप इनके बारे में डिटेल में पढ़ना चाहते हैं तो आप 'इस्लामिक गोल्डन एज' पढ़ सकते हैं।

इन सब में एक बात नोटिस करें: मैंने जितने भी आपको साइंटिस्ट बताए वो सब दुनिया के साथ-साथ दीन का इल्म भी रखते थे।

जो लोग कहते हैं ना कि एक मदरसे का पढ़ा हुआ डॉक्टर नहीं बन सकता, तो इन्हें देखिए — ये आलिम, हफ़िज़ के साथ-साथ साइंटिस्ट भी थे।

यह सारी बातें जान कर मुझे वह क़ुरआन की आयत याद आ गई:

"अल्लाह ताला नेक लोगों का अज्र ज़ाया नहीं करता।" (9:120)

अल्लाह ताला इनका अज्र भी ज़ाया नहीं करेगा।

असल ये सारी बातें का मेरा मकसद यह था कि हम अपने आप को पहचानें।

यह सब 1200 साल पहले पैदा हुए, इनके पास भी वही क़ुरआन था जो आज हमारे पास है।

इन लोगों ने भी वही कलमा पढ़ा जो हमने पढ़ा है। फिर क्या चीज़ जिसकी वजह से हम आज पीछे हैं?

असल वह है दीन के इल्म की कमी और बेफ़िक्री।

हम समझते हैं कि पढ़-लिख कर क्या होगा?

आइए मैं आपको बताता हूँ क्या होगा:

जब इंसान मर जाता है तो उसके सारे अमल का सिलसिला कट जाता है सिवाय तीन चीज़ों के:

1.सदक़ा जारीया

2.इल्म जिससे लोग फ़ायदा उठाएं

3.नेक औलाद जो उसके लिए दुआ करें (सही मुस्लिम 1631)

अब मुझे बताइए, इन लोगों ने जो इल्म का काम किया आज दुनिया उनसे फ़ायदा उठा रही है, क्या उनकी कब्र में सवाब नहीं पहुँच रहा होगा?

और आज 1200 साल हो गए। हम जैसे लोग मजबूर हैं उनका ज़िक्र करने पर और आप सुनने पर।

सबसे पहले अपना नज़रिया दुरुस्त कीजिए।

दूसरा अपनी दिलचस्पी देखिए।

आपको डॉक्टर बनना है, बनिए।

इंजीनियर बनना है, बनिए।

काम को सिर्फ जॉब के नज़रिए से नहीं, कुछ करने की नीयत से अपना विज़न बनाइए।

इन सब ने अपना विज़न बनाया था इसलिए आज यह मुकाम हासिल किया।

-मुहम्मद सोहैल

जिंदगी मुख्तलिफ शुअरा की नजर में

जिंदगी अल्लाह तआला की अताकरदा एक अजीम नेमत है। इंसानी जिंदगी अल्लाह तआला की तखलीक का एक अनोखा नमूना है कि अल्लाह ने किस तरह एक गंदे नुत्फे में जान डालकर उसको जिंदगी अता की है। इस पर इंसान अल्लाह तआला का जितना शुक्र अदा करे और एहसान माने उतना ही कम है।

अल्लाह तआला ने क़ुरआन-ए-हकीम में कई जगह यह हिदायत फरमाई है कि तुम अपनी जिंदगी के बारे में गौरो फिक्र क्यों नहीं करते कि हमने एक नुत्फे में जान डालकर तुम्हें एक मुकर्रिरा अंधेरियों में तुम्हें परवान चढ़ाकर एक खूबसूरत शक्ल आता फरमाई। इस इंसानी शक्ल में ऐसी खूबियां अता की यानि सोचने, समझने के लिए दिमाग, देखने के लिए आंखें, सुनने के लिए कान, सूंघने के लिए नाक, बोलने के लिए जवान, पकड़ने के लिए हाथ और चलने के लिए पैरों में ताकत अता की। अच्छे बुरे की तमीज, खतरात से बचने की सलाहियत और आगाही बक्शी। यह इंसान अल्लाह तआला की अपने बंदों को अता करदा इन नेमतों का जितना शुक्र करे उतना ही कम है।

मुख्तलिफ शुअराने इंसानी जिंदगी को अपने-अपने अंदाज से समझा और परखा। इसकी तशरीह बयान की है। क्या कभी आपने गौर किया कि अल्लाह तआला के इस पैदा करदा नुत्फे में उसकी तखलीक करदा कितनी चीजें शामिल हैं।

तखलीक के बाद एक मुकर्रिरा वक्त के बाद इस जिंदगी का फना होना भी तय है। हर वो जानदार जो पैदा हुआ है वो जरूर एक दिन फना हो जाएगा। यह पैदाइश और फना का सिलसिला ताकयामत तक चलता रहेगा।

उर्दू के शायर पंडित बृज नारायण चकबस्त ने अपने एक शेर में जिंदगी और मौत की तस्वीर इस तरह खींचकर बयान की है-

जिंदगी क्या है ? अजजाये अनासीर का जहूरे तरतीब,
मौत क्या है ? इन्हीं अजजा का परेशां होना।

कुरआन-ए-हकीम में भी अल्लाह ने फरमाया है कि इंसान को हमने खनखनाती मिट्टी से बनाया है, जब इंसान अपने पैदा होने के बाद बचपन के बाद जवानी में कदम रखता है और उस पर जिम्मेदारियों का बोझ पड़ता है तो वो अपनी जिंदगी में पेश आने वाले हालात, वाकियात, मामलात, रंज व गम व मुसीबतें जो पेदरपे पड़ती हैं और वो इन नित नये मरहलों से दो चार होता है तो वह अपनी तखलीफ के मकसद को भूलकर जिंदगी के झमेलों में, रिश्तों में, मोहब्बत और नफरत की कड़वाहट में गमे जिंदगी के अंधेरों में भटक जाता है और उस पर यासो हसरततारी हो जाती है और वह उदास हो जाता है।

फिराक गोरखपुरी ने इस इंसानी कैफियत को अपने एक शेर में इस तरह बयान किया है-

जिंदगी क्या है आज इसे ए दोस्त
सोच लें और उदास हो जाएं।

लेकिन हमको जिंदगी में आने वाले हालात निक नई मिसाइल, रिश्तेदारों से पहुंचने वाली अज़ीयतें, दोस्तों के जरिए दिए गम और जमाने के जरिए पहुंचाई गई मुख्तलिफ कुल्फतों पर सब्र करते हैं और जवां हिम्मती से एक आहनी दीवार की मानिन्द तमाम हालात का मुकाबला करते हैं और हर आफत और मुसीबत का खुशी-खुशी सामना करते हैं और उनको पहुंचने वाले हर गम व तकलीफ को ही अपनी जिंदगी का हिस्सा समझते हैं

और उस पर कफे अफसोस नहीं मलते। वो इन गमों की ही अपनी जिंदगी समझते हैं। इसी कैफियते जिंदगी को एक शायर ने इस तरह बयान किया है-

उसकी जिंदगी रास आई है
जिसने गम से निजात पाई है।

जिंदगी का शिकवा करना एक आम बात है।

इंसान अपनी जिंदगी में हमेशा शिकवा ही करता है।

शेष अगले अंक में

स्वतंत्रता दिवस पर विशेष आलेख.....

निडर क्रांतिकारी व महिला सशक्तिकरण की प्रतीक अजीजन बाई

अजीजन बाई का जन्म 22 जनवरी 1824 ई. को मध्यप्रदेश के मालवा राज्य के राजगढ़ में हुआ था। जागीरदार शमशेर सिंह के यहां जन्मी इस कन्या का नाम अजंसा रखा गया। इकलौती संतान थीं और घर की बेहद लाडली बेटी। हरादेवी के मंदिर परिसर में लगने वाले मेले में घूमने गईं तो अंग्रेज सिपाही ने उन्हें अगवा कर लिया। पिता तो सदमा झेल नहीं पाए और चल बसे। अंग्रेज सिपाही ने उन्हें लाठी मोहाल के एक कोठे की मालकिन अम्मीजान के हाथों बेच दिया। यहां वे अजंसा से अजीजनबाई बन गईं। उनकी कला ने अजीजनबाई की शोहरत पूरे राज्य में फैला दी। तभी 10 मई को 1857 की क्रांति का बिगुल बजा और अंग्रेजों के खिलाफ अजीजन बाई के दिल में जमी चिंगारी शोला बन धधक उठी। नागरिक मंच के संयोजक सुरेश गुप्ता ने बताया कि वह दिन में भेष बदल कर अंग्रेजों से मोर्चा लेतीं और रात में मुजरा करके गुप्त सूचनाएं नाना साहब को पहुंचातीं। नवाबगंज और बिठूर के बीच अंग्रेज सिपाहियों को उन्होंने मौत के घाट उतार दिया। वहां अंग्रेजों की एक दूसरी टुकड़ी ने उन्हें पकड़कर जनरल हैवलाक के सामने पेश किया। उन्होंने माफी मांगने से मना कर दिया। कैद में उनके साथ क्रूरता की हद पार कर दी गई। बाद में उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया। लेकिन उनकी गाथा अमर हो गई और वह आजादी के दीवानों के लिए प्रेरणा बन गईं। अजीजन बाई ने दबी, शोषित महिलाओं में आजादी की चिंगारी फूंकी और अपनी हर एक साथी को शोला बना दिया। तात्या टोपे से उनकी बात हुई, उसके बाद अजीजन ने

अपनी सारी संपत्ति नाना साहब को दान कर दी। स्वतंत्रता संग्राम की इस नायिका से ब्रितानी सैनिक कांपते थे। देश के पहले स्वतंत्रता संग्राम में अजीजन बाई ने कानपुर की धरती पर बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वह महिला सशक्तीकरण की प्रतीक थीं। आज पूरा देश उनकी इस कुर्बानी को सलाम करता है।

नियत से तय होती ज़िन्दगी

-हदीस-ए-मुबारका में आता है

"जिसने अल्लाह ही की रज़ा के लिए मोहब्बत की, अल्लाह ही की रज़ा के लिए दुश्मनी की, अल्लाह ही की रज़ा के लिए दिया और अल्लाह ही की रज़ा के लिए रोक दिया — तो उसने अपना ईमान पूरा कर लिया।"

(सुन्नन अबू दाऊद: 4681)

इस हदीस में अपने ईमान को पूरा करने की निशानी बताई गई है कि इंसान जो कुछ करे, वह सिर्फ अल्लाह ही के लिए करे। उसकी मोहब्बत, उसकी नफ़रत — सब अल्लाह ही के लिए हो। मतलब यह कि हम जो भी काम करें, उसमें नीयत हमारी अल्लाह को राज़ी करने की हो। अगर इंसान खर्च करे, तो इस नीयत से करे कि इसमें अल्लाह की रज़ा हासिल करने का मकसद हो।

अगर हम आखिरी पैगंबर □ की ज़िंदगी में गौर करें, तो हमें मालूम होगा कि जैसी एक आम इंसान की ज़िंदगी होती है, वैसी ही आपकी □ ज़िंदगी थी। जैसे एक इंसान शादी करता है, आपने भी शादी की। इंसान अपने बच्चों से मोहब्बत करता है, आप □ भी करते थे। इंसान नौकरी और व्यापार करता है, आपने भी व्यापार किया। वो सारे काम जो एक आम आदमी करता है, वो सब आपने भी किए। लेकिन इन सबके बावजूद आप अल्लाह के सबसे प्यारे बंदों में शामिल थे। हम हैरान हैं कि असल राज़ क्या है? असल बात यह है कि आप □ अल्लाह के रसूल तो थे ही, साथ ही आपकी नीयत इतनी पाक और साफ थी कि उसमें सिर्फ और सिर्फ अल्लाह को राज़ी करने की लगन थी। इसी लिए आप □ अल्लाह के महबूब थे। अब बात करते हैं कि हमारी नीयत कैसे ख़ालिस हो ताकि हमारा भी ईमान पूरा हो जाए। अपनी नीयत को ख़ालिस करने के लिए मैं आपको एक अभ्यास बताता हूँ। आप इसे रोज़ करें, तो देखेंगे कि धीरे-धीरे आपकी नीयत अल्लाह के लिए ख़ालिस होने लगेगी और आपकी ज़िंदगी में अल्लाह की रहमत और बरकत आने लगेगी, इंशा अल्लाह।

मान लीजिए आपको बहुत तेज़ भूख लगी है। आप घर में दाख़िल हुए और आपके सामने दस्तरख़्वान बिछाया गया। उस पर गरम-गरम लज़ीज़ खाना रखा है, जिसमें से बहुत प्यारी खुशबू आ रही है। आपका दिल चाह रहा है कि तुरंत उस पर टूट पड़ें और उस खाने का मज़ा लें। लेकिन एक लम्हे के लिए रुक जाएँ और दिल में यह ख्याल लाएँ कि यह नफ़्स की ख्वाहिश से खाना नहीं खाएँगे। फिर यह सोचें कि अल्लाह तआला ने मेरे नफ़्स का मुझ पर हक़ रखा है, और हज़रत □ की आदत थी कि जब आपके सामने खाना आता, तो आप शुक्र अदा करते हुए और खाने की तरफ रग़बत ज़ाहिर करते हुए खाना खाते थे। मुझे आपकी □ सुन्नत की इत्बा करनी चाहिए। इसलिए मैं आपकी इत्बा में खाना खा रहा हूँ।

फिर खाना शुरू करें। इसी तरह बहुत से कामों में, जैसे आप अपने बच्चों से मोहब्बत करें, तो यह सोचें कि मैं अपने बच्चों से मोहब्बत इस लिए ज़ाहिर कर रहा हूँ क्योंकि मैं अल्लाह के रसूल □ की इत्बा कर रहा हूँ। आप इसे अपनाइए और देखेंगे कि आपकी नीयत ख़ालिस हो जाएगी अल्लाह के लिए और आपकी ज़िंदगी में बरकतें होंगी।

-मुहम्मद सुहैल

कलंक से पहले कौशल: मुस्लिम युवाओं का सशक्तिकरण

भारत के आर्थिक विकास के परिदृश्य में, बेरोज़गारी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, जो हाशिए पर पड़े समुदायों को असमान रूप से प्रभावित कर रही है। इनमें से, 20 करोड़ से ज़्यादा नागरिकों वाले मुस्लिम समुदाय को मुख्यधारा के आर्थिक अवसरों तक पहुँचने में बाधाओं का सामना करना पड़ा है क्योंकि व्यावसायिक प्रशिक्षण तक सीमित पहुँच, असंगठित विनिर्माण सुविधाएँ और सामाजिक कलंक, सभी ने आर्थिक बहिष्कार में योगदान दिया है। फिर भी, इस कड़वी सच्चाई के बीच, भारत सरकार की कौशल विकास पहलों के माध्यम से एक शांत क्रांति पनप रही है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), और दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई) जैसे कार्यक्रम हज़ारों युवा मुसलमानों को गरीबी और बेरोज़गारी के चक्र से बाहर निकलने में मदद कर रहे हैं। आजमगढ़, मुर्शिदाबाद और मेवात जैसे ज़िलों में, जहाँ एक बड़ी मुस्लिम आबादी रहती है, ये योजनाएँ स्थानीय ज़रूरतों के अनुसार अनुकूलित व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं। मोबाइल मरम्मत, डिजिटल मार्केटिंग, इलेक्ट्रिकल तकनीशियन कार्य, एसी और रेफ्रिजरेशन सर्विसिंग, और पैरा-मेडिकल सेवाओं के पाठ्यक्रमों में उच्च नामांकन देखा जा रहा है। इसके अलावा, ये कार्यक्रम अक्सर निःशुल्क होते हैं और प्लेसमेंट सहायता के साथ आते हैं। युवा मुस्लिम पुरुषों के लिए जो अन्यथा दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर सकते हैं या बेरोजगार रह सकते हैं, इस तरह का प्रमाणन न केवल रोजगार क्षमता को बढ़ाता है बल्कि सम्मान भी बहाल करता है। इस कौशल क्रांति का एक विशेष रूप से परिवर्तनकारी पहलू मुस्लिम महिलाओं पर इसका प्रभाव है, जिन्हें पारंपरिक रूप से गतिशीलता और रोजगार पर अधिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता था। आज, जेएसएस केंद्र महिलाओं को फैशन डिजाइन, कार्यालय प्रबंधन, ब्यूटीशियन कार्य और सॉफ्ट स्किल्स में प्रशिक्षण दे रहे हैं। हैदराबाद के पुराने शहर में, सिलाई और ड्रेस-मेकिंग में प्रशिक्षित मुस्लिम महिलाओं के समूहों ने सहकारी समितियाँ बनाई हैं, जो ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म और स्थानीय बुटीक को वस्त्र आपूर्ति करती हैं। ये बदलाव स्टार्ट-अप इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे राष्ट्रीय मिशनों के साथ सहज रूप से संरेखित हैं। जैसे-जैसे अधिक मुसलमान उद्योग-संबंधित कौशल हासिल कर रहे हैं, वे नौकरी चाहने वालों से नौकरी देने वालों की ओर बढ़ रहे हैं। कानपुर में चमड़े के सामान की इकाइयों से लेकर केरल में हस्तनिर्मित स्किनकेयर ब्रांडों तक, कुशल मुस्लिम युवा सूक्ष्म उद्यम स्थापित कर रहे हैं जो न केवल आय उत्पन्न करते हैं बल्कि उनके समुदायों में रोजगार भी पैदा करते हैं। इन उपक्रमों को, यदि सूक्ष्म-वित्त, डिजिटल साक्षरता और बाजार पहुँच का समर्थन प्राप्त हो, तो स्टार्ट-अप इंडिया ढाँचे के तहत इनका विस्तार करने की क्षमता है। इसके अलावा, राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान और स्किल इंडिया डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म जैसी पहल ऑनलाइन और मिश्रित शिक्षण विकल्प प्रदान करती हैं, जिससे दूरस्थ या रूढ़िवादी पृष्ठभूमि के इच्छुक शिक्षार्थियों के लिए भाग लेना आसान हो जाता है। फिर भी, भाषा की सुलभता, डिजिटल साक्षरता और सामाजिक पूर्वाग्रह जैसी कमियाँ अभी भी व्यापक भागीदारी को बाधित करती हैं। इस समस्या से निपटने के लिए, सरकार और नागरिक समाज को उर्दू सामग्री, स्थानीय प्रभावशाली लोगों, मदरसा और मस्जिद नेटवर्क के माध्यम से कौशल कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए सहयोग करना होगा। यह सांस्कृतिक संदर्भीकरण विश्वास की कमी को पाट सकता है और व्यापक रूप से अपनाए जाने को सुनिश्चित कर सकता है। बहुत लंबे समय से, भारत के मुसलमानों की आर्थिक क्षमता को नज़रअंदाज़ या राजनीतिकरण किया गया है। लेकिन कौशल विकास समावेशन का एक गैर-विवादास्पद, गहन रूप से सशक्त मार्ग प्रदान करता है। अब समय आ गया है कि हम अपने सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय को व्यावहारिक, बाज़ार-संरेखित कौशल प्रदान करें। भारत के आर्थिक लचीलेपन और समावेशी विकास का भविष्य इस बात पर निर्भर कर सकता है कि हम इन उभरते मुस्लिम उद्यमियों, श्रमिकों और नेताओं को अपनी राष्ट्रीय विकास गाथा में कितनी सफलतापूर्वक एकीकृत करते हैं।

मुगल सम्राट हुमायूं ने रखी राजपूत रानी कर्णावती की राखी की लाज

मोहम्मद जहीर

सन 1527 में खानुआ की लड़ाई मुगलों से लड़ते हुए राणा सांगा गंभीर रूप से घायल हुए, कुछ समय बाद उनकी मृत्यु हो गई। राणा सांगा को मृत्यु के बाद मेवाड़ पर गुजरात के मुस्लिम शासक बहादुर शाह ने आक्रमण किया। आक्रमण की जानकारी पहले से मिलने के कारण राणा सांगा की पत्नी कर्णावती ने मुगल शासक हुमायूं को एक चिट्ठी और राखी भेजी। कर्णावती ने हुमायूं से राखी और बहन का हवाला देते हुए, मेवाड़ और बहन की रक्षा करने की प्रार्थना की। रानी कर्णावती ने राजपूत राणाओं से भी मदद मांगी। परंतु कोई मदद के लिए तैयार ना हुआ। जब कर्णावती ने हुमायूं को चिट्ठी भेजी थी, उस वक्त वो ग्वालियर में था और बंगाल पर आक्रमण की तैयारी कर रहा था। उसने कर्णावती के पत्रवाहक से कहा "अपनी रानी साहिबा से कहिएगा कि वह अपना हौसला बनाए रखें, मैं जल्द ही अपनी सेना लेकर चित्तौड़ पहुंच रहा हूं।" लेकिन जब तक हुमायूं की सेना मेवाड़ पहुंची तब तक बहादुर शाह ने पहले ही आक्रमण कर दिया और रानी कर्णावती ने जौहर करके अपनी जान दे दी। यह खबर सुनकर हुमायूं को बहुत दुख हुआ। हुमायूं ने बहन कर्णावती की राखी की लाज को रखते बहादुर शाह को चित्तौड़ से मार भगाया और चित्तौड़ का सिंहासन कर्णावती और राणा सांगा के बड़े बेटे विक्रमादित्य के हवाले कर दिया। यदि उस समय हिंदू-मुस्लिम होता, तो हुमायूं क्यों दूसरे मुस्लिम शासक से युद्ध लड़ता? और क्यों अपनी हिंदू बहन और राणा सांगा की पत्नी कर्णावती के बेटे को मेवाड़ की गद्दी पर बैठाता। इसलिए कहा जा सकता है कि वर्तमान में हिंदू-मुस्लिम के बीच जो नफरत का बीज बोया जा रहा है यह सिर्फ राजनीति और कुर्सी पाने की लड़ाई है।

कथित वोट चोरी को लेकर कांग्रेस सड़कों पर

-DCC कार्यालय से बड़ी चौपड़ तक कांग्रेस का कैंडल मार्च

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कथित वोट चोरी के मुद्दे को लेकर सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान डीडीसी कार्यालय से बड़ी चौपड़ तक कैंडल मार्च निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। मार्च के दौरान "वोट चोर गद्दी छोड़ो" जैसे नारे लगाए गए और भाजपा पर जनता की भावनाओं से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया गया। कैंडल मार्च में शामिल विधायक रोहित बोहरा ने कहा कि भाजपा ने लोकतंत्र की मर्यादा को तार-तार किया है और देश का हर व्यक्ति आज राहुल गांधी के साथ खड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जनता के विश्वास को तोड़ने का काम कर रही है, लेकिन कांग्रेस इस लड़ाई को सड़क से सदन तक जारी रखेगी। प्रदर्शन में मौजूद कार्यकर्ताओं ने कहा कि वोट की चोरी लोकतंत्र की हत्या के समान है और कांग्रेस इसे कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। बड़ी चौपड़ पहुंचने के बाद नेताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और लोकतंत्र को बचाने की अपील की।

79वां स्वतंत्रता दिवस पर बड़ी चौपड़ पर ध्वजारोहण

-सत्ता पक्ष,विपक्ष ने किया ध्वजारोहण

-रामगंज चौपड़ पर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने झंडा फहराया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में 79वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। 72 साल से चली रही परम्परा के तहत बड़ी चौपड़ पर 2 जगह झंडारोहण हुआ। सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से उपमुख्यमंत्री डॉक्टर प्रेमचंद बैरवा ने झंडा फहराया,इस मौके पर सांसद मंजू शर्मा, भाजपा विधायक गोपाल शर्मा और जयपुर हेरिटेज नगर निगम की मेयर कुसुम यादव समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं बड़ी चौपड़ के दक्षिणी हिस्से में विपक्षी दल कांग्रेस की ओर से नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने झंडारोहण किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ़ गोविंद सिंह डोटासरा, विधायक रफीक खान, अमीन कागजी के साथ ही पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, संयम लोढ़ा, जयपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष आरआर तिवारी मौजूद रहे, वहीं हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामगंज चौपड़ पर सीएलजी शांति समिति की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जहां जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने ध्वजारोहण किया,साथ ही डीसीपी नॉर्थ करण शर्मा सहित पुलिस के अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहे। रहमानी स्कूली बच्चों ने निकाली तिरंगा यात्रा। रामगंज बाजार में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर छोटे-छोटे बच्चे परिजनों के साथ निकले। तिरंगा यात्रा में शामिल बच्चे रामगंज से बड़ी चौपड़ होते वापस रामगंज बाजार पहुंचे।

ख्वाजा गरीब नवाज अमन कमेटी ने बड़े धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ख्वाजा गरीब नवाज अमन कमेटी झोटवाड़ा द्वारा हर साल की भाँति इस साल भी 15 अगस्त को 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। सामुदायिक केंद्र संजय नगर-बी, झोटवाड़ा में सुबह 9 बजे सैंकड़ों नागरिकों की उपस्थिति में पूर्व पुलिस अधिकारी इस्माइल खान ने झंडा फहराकर सलामी दी। समारोह में राष्ट्र गीत से ओत-प्रोत संगीत और कविताओं का उपस्थित नागरिकों ने खूब लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व मदरसा बोर्ड के चेयरमैन हिदायत खान धोलिया, शिक्षाविद दौलत खान, अमन कमेटी के पदाधिकारी फारूक खान गनेडी, हाजी मकसूद खान, हाजी गुलाम रसूल मंसूरी, रस्तिव कवि अब्दुल अयूब गौरी, पूर्व पार्षद और पूर्व चेयरमैन मंजू शर्मा, मास्टर इब्राहिम खान, हाजी अकबर खान, रसूल खान सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शिरकत की।

राजलक्ष्मी महिला बैंक में सीईओ मोहम्मद इकबाल खान ने किया ध्वजारोहण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। दी राजलक्ष्मी महिला अरबन कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के त्रिपोलिया बाजार स्थित मुख्यालय में 79वें स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित राष्ट्रीय समारोह में शुक्रवार को बैंक के सीईओ मोहम्मद इकबाल खान ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान बैंक की चेयरमैन नंदिता राज, नगर निगम हेरिटेज के डिप्टी मेयर असलम फारुखी, पार्षद प्रतिनिधि वार्ड-30 शाकिर खान, हरीश उदवानी, निदेशकगण, बैंक अधिकारी, कर्मचारियों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। बैंक सीईओ मोहम्मद इकबाल खान ने बताया कि बैंक की स्थापना 1996 में हुई थी। जिसके संचालक मंडल में सभी डायरेक्टर महिलाएं है तथा स्टाफ में भी अधिकांश महिलाएं हैं। महिला सशक्तिकरण के लिए बैंक प्रबंधन की ओर से समस्त ऋण भी महिलाओं को ही दिया जाता हैं। बैंक में जमा कराई गई सभी अमानतें अन्य राष्ट्रीयकृत बैंकों की भांति डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन मुंबई द्वारा बीमित किया जाता हैं। जिससे खाताधारकों की राशि सुरक्षित रहती हैं। बैंक केंद्रीय सहकारी प्रतिभूतियों में निवेश करता है। साथ ही बैंक की ओर से अन्य राष्ट्रीयकृत बैंकों की तरह खाताधारकों को सभी सुविधाएं दी जा रही है।

मिर्ज़ा आफताब बेग (हिंदुस्तानी) को मुस्लिम वक्फ संपत्ति संरक्षण बोर्ड में प्रदेश संगठन सचिव पद पर नियुक्त किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । ऑल इंडिया मुस्लिम वक्फ संपत्ति संरक्षण बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहीस अहमद कुरैशी ने मिर्ज़ा आफताब बेग (हिंदुस्तानी) को प्रदेश संगठन सचिव राजस्थान पद पर नियुक्त किया गया है । मिर्ज़ा आफताब बेग (हिंदुस्तानी) की नियुक्ति पर राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार मोईनुद्दीन नारू, राष्ट्रीय विधि सलाहकार अकबर अली, राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल रईस, प्रदेश अध्यक्ष ज़फ़र मिर्ज़ा एवं प्रदेश महासिचव एडवोकेट मुजाहिद अख़्तर ने उनका स्वागत किया। ऑल इंडिया मुस्लिम वक्फ संपत्ति संरक्षण बोर्ड नामूसे रिसालत पर पहरा देने के साथ-साथ देश समाज और कौम की अनेकों प्रकार से लगातार सेवाएं कर रहा है । यह सरकार द्वारा रजिस्टर्ड बोर्ड है। बोर्ड के अनेकों उद्देश्य हैं। जगह-जगह बोर्ड की शाखाएं खोलने और सदस्य नियुक्त करना का भी बोर्ड का एक मुख्य उद्देश्य है। इसी मुख्य उद्देश्यों के तहत मिर्ज़ा आफताब बेग (हिंदुस्तानी) की ख्वाहिशों का सम्मान करते हुए उनको बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है। बोर्ड को उम्मीद है कि मिर्ज़ा आफताब बेग (हिंदुस्तानी) तन, मन, धन और अपना वक्त लगाकर इस्लामी शरीयत व भारतीय संविधान के अनुसार ही बोर्ड के उद्देश्यों के लिए काम करते हुए बोर्ड को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी निभाएंगे।

दरबार पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल में मनाया स्वतंत्रता दिवस

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । दरबार पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल, काली कोठी, नारायणपुरी, उद्योग नगर, झोटवाड़ा में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े धूम-धाम से मनाया गया । समारोह में झंडा रोहन के बाद स्कूल के छात्रों को स्वतंत्रता दिवस का महत्व बताया गया। इस अवसर पर स्कूल प्रबन्धन द्वारा छात्रों को मिठाई वितरित की गई। समारोह में आये हुए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया गया । समारोह में सत्तार ख़ान पूर्व RAS, हाज़ी रफ़ीक़ अहमद खान पूर्व सी.आई, ईशाक, ताज मुहम्मद मंसूरी व शहर के गणमान्य लोग शामिल हुए।

नकली खाद बीज मामलों की जांच के लिए SIT बनाने की मांग की जाएगी – डॉ. किरोड़ीलाल मीणा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्य की कृषि नीतियों और हालिया विवादित मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नकली खाद और बीज के मामलों पर सरकार बेहद गंभीर है। इस पूरे प्रकरण की गहन जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग की जाएगी, ताकि किसानों के साथ हो रही ठगी पर कड़ी कार्रवाई हो सके। कृत्रिम बारिश के सवाल पर मंत्री मीणा ने बताया कि सरकार इस दिशा में तकनीकी विकल्प तलाश रही है। उन्होंने कहा कि 10 से 15 हजार फुट ऊंचाई तक उड़ान भरने वाले ड्रोन के जरिए बारिश करवाई जाएगी। इसके लिए 18 अगस्त को वे उड्डयन विभाग से मुलाकात करेंगे और आवश्यक अनुमति लेंगे। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि प्रदेश में किसानों को राहत देने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे और नकली खाद-बीज बेचने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी।

ए.आर.वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से बांटे स्कूल बैग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। समाज सेवा के लिए विख्यात ए.आर. फाउंडेशन की ओर से बाबू का टीबा, सूरजपोल जयपुर स्थित सीनियर सेकेंडरी स्कूल के गरीब बच्चों को निशुल्क बैग एवं स्टेशनरी वितरित किए गए। प्रोग्राम में फाउंडेशन के अध्यक्ष ए.आर.खान आईएएस (रिटायर्ड) सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनके हाथों से बच्चों को बैंक और स्टेशनरी बांटी गई है। ए.आर.फाउंडेशन नियमित रूप से गरीब छात्र-छात्राओं की आर्थिक सहायता करता रहता है। इसके अलावा ए.आर.फाउंडेशन की ओर से स्किल डेवलपमेंट स्वास्थ्य एवं रोजगार सृजन के क्षेत्र में काम किया जाता है।

हाथी गांव में अनूठा फैशन शो,जोनाली ने पहनी शाही पोशाक, गहने

-मंत्री अविनाश गहलोत पहुंचे कार्यक्रम में

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के आमेर स्थित हाथी गांव में रविवार को एक अनोखा नजारा देखने को मिला, जब हथनी 'जोनाली' के जन्मदिन के अवसर पर एक अनूठा फैशन शो आयोजित किया गया। इस मौके पर जोनाली को शाही अंदाज में सजाया गया, उसे खास तौर पर तैयार की गई शाही पोशाक और चमचमाते गहनों से अलंकृत किया गया। कार्यक्रम में हथिनी के साथ अन्य हाथियों को भी रंग-बिरंगी सजावट और पारंपरिक आभूषण पहनाकर प्रस्तुत किया गया, जिससे माहौल पूरी तरह शाही और उत्सवमय हो गया। फैशन शो में हथिनी ने रैंप पर अपनी शाही चाल से सबका दिल जीत लिया। इस विशेष अवसर पर राजस्थान सरकार के मंत्री अविनाश गहलोत भी मौजूद रहे और उन्होंने हाथी गांव की इस परंपरा की सराहना की। कार्यक्रम में स्थानीय लोग, पर्यटक और हाथी प्रेमी बड़ी संख्या में शामिल हुए और हथनी जोनाली के साथ तस्वीरें खिंचवाईं।

डॉ. निधि पटेल ने किया सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। देर रात हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने किया सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण। सिविल लाइन, चोमू हाउस, सी स्कीम, हसनपुरा, हटवाड़ा रोड, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल इलाके में देखी सफाई व्यवस्था।

वार्ड 49 में घर घर जाकर पूछा सफाई व्यवस्था के बारे में आमजन से लिया फीडबैक वहीं, हसनपुरा इलाके में दुकानों के बाहर गंदगी देख हुई नाराज, हाथों हाथ कटवाए चालान, दुकानों के बाहर सफाई व्यवस्था पुख्ता करने और दो डस्टबिन रखने के सख्त निर्देश साथ ही देर रात खुलने वाली दुकानों को किया पाबंद सफाई व्यवस्था नहीं बिगड़े इसके लिए दस बजे तक करें दुकान बंद रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने दिए निर्देश जोन उपायुक्त सुनील कुमार बैरवा, दिलीप भंभानी, उपायुक्त स्वास्थ्य देवानंद शर्मा सहित निगम के सफाई निरीक्षक रहे साथ।

इमाम हुसैन की याद में चालीसवां

-शिया समुदाय ने निकाला जुलूस, कर्बला में जुलूस का हुआ समापन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हजरत इमाम हुसैन की याद में चालीसवें पर शुक्रवार को शहर में अकीदतमंदों ने जंजीरी मातम किया। इस मौके पर रामगढ़ रोड स्थित कर्बला में बड़ी संख्या में अकीदतमंद पहुंचे। इस दौरान घरों में मिलाद शरीफ व फातेहा भी दिलाई गई। अकीदतमंदों की ओर से घरों में मिलाद शरीफ पढने के साथ ही गरीबों को खाना भी खिलाया गया। चालीसवें के दौरान शिया समुदाय की ओर से कौमी इमाम बारगाह मोहल्ला पन्नीगरान में मजलिस हुई। जिसमें अनवर खान, मंसूर जैदी ने सोज और सलाम पढ़ा। मौलाना सैय्यद नाजिश अकबर काजमी ने अपनी तकरीर में इमाम हुसैन की जिंदगी पर रोशनी डाली। इसके बाद दोपहर में इमाम बारगाह से जुलूस रवाना हुआ। जुलूस कुम्हारों की नदी से सुभाष चौक होता हुआ तकवी मंजिल पहुंचा। जहां जंजीरी मातम भी हुआ। इस बीच लबैक या हुसैन की सदाएं गूंज उठी।

98 मेधावी विद्यार्थियों का हुआ भव्य सम्मान

-सरपंच ने दी लाइब्रेरी की सौगात,विधायक प्रतिनिधि ने किया फंड का ऐलान

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के राड़ावास कस्बे में शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभा और परिश्रम का जश्न देखने को मिला। The Career Welfare and Education Trust की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन वीर तेजा पी.जी. कॉलेज, राड़ावास में भव्य तरीके से हुआ। इस अवसर पर शिक्षा, समाज और राजनीति से जुड़े कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में 98 मेधावी बच्चों को शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया, जिनके चेहरे सम्मान पाकर गर्व से खिल उठे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल, शाहपुरा विधायक के बड़े भाई विकास यादव और राड़ावास सरपंच अमर सिंह मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथियों में कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव प्रवीन व्यास, कांग्रेस अध्यक्ष पप्पू शाह, जामिया-ए-हिन्द ऑल इंडिया के महासचिव मुफ्ती सलीम साहब कासमी, तथा संस्था अध्यक्ष डॉ. शाहरुख खान सहित संस्था के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुफ्ती सलीम साहब की प्रेरणादायक उद्घोषणा से हुई, जिसने पूरे समारोह को एक आध्यात्मिक और उत्साहपूर्ण माहौल से भर दिया। शिक्षा को बढ़ावा देने का संकल्प सरपंच अमर सिंह ने कस्बे में लाइब्रेरी निर्माण हेतु जमीन देने की घोषणा की। वहीं, विकास यादव ने लाइब्रेरी के लिए आर्थिक सहयोग (फंड) देने का ऐलान किया। यह पहल ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा को नई दिशा देने की उम्मीद जगा रही है। बड़ी संख्या में लोगों की शिरकत समारोह में भारी भीड़ उमड़ी। बच्चों के परिजनों और स्थानीय नागरिकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से मेधावी छात्रों का हौसला बढ़ाया।

आयोजन बना प्रेरणा की मिसाल

The Career Welfare and Education Trust का यह आयोजन समाज में शिक्षा और प्रतिभा को बढ़ावा देने का अनूठा प्रयास है। ऐसे सम्मान समारोह न केवल बच्चों को प्रेरित करते हैं बल्कि पूरे समाज को शिक्षा के महत्व का एहसास कराते हैं।भविष्य में भी इस तरह की पहलें शिक्षा के क्षेत्र को सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होंगी।

हज कि पहली किस्त जमा कराने की तारीख बढ़ाई जाने की मांग

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। सेंट्रल हज कमेटी मुम्बई के द्वारा हज 2026 पर जाने वाले हज यात्रियों की लोटरी 13 अगस्त 2025 को निकाली गई ओर चयनित हज यात्रियों की पहली किस्त जमा कराने की तारीख 20 अगस्त रखी गई है। हज कमेटी के पूर्व सदस्य हाजी शाहिद मौहम्मद ने सेंट्रल हज कमेटी के मुख्य अधिशासी अधिकारी से हज की पहली किस्त जमा कराने कि तारीख बढ़ाई जाने के लिए कहा क्योंकि 15, 16, 17, अगस्त की सरकारी छुट्टी के कारण बेंक की भी छुट्टी रही ओर हज पर जाने वालों को इन तिन दिन की छुट्टी के कारण पेसे जमा नहीं करा पाये। ओर अब तिन दिन हज की पहली किस्त जमा कराने के लिए प्राप्त नहीं है। गांव देहात में भी पेसे जमा कराने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा ओर बेंक में लम्बी कतारें लगेंगी ओर बेंक के भी रोज़ाना का काम भी है। इस लिए हज कि पहली किस्त जमा कराने की तारीख बढ़ाई जाये।

भजनलाल शर्मा का है सपना हरा भरा राजस्थान एवं अग्रणीय राजस्थान हो अपना

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान को विकास की धारा में जोड़ने के लिए, अग्रणी राजस्थान बनाने के लिए, स्वच्छ एवं स्वस्थ राजस्थान बनाने के लिए, सूर्य ऊर्जा योजना में अव्वल होने के लिए, राजस्थान आत्म-निर्भर होने के लिए,भजनलाल सरकार के द्वारा कई योजनाएं प्रारंभ की गई हैं। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत क्लेम वितरण कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान राजस्थान आए हुए थे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान हेलीकॉप्टर से उतरते ही बोले अरे! वाह! राजस्थान तो हरा भरा हो गया। इस पर जिले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत बोले यह सीएम साहब का शुभ पग फेरा है। दो वर्ष से लगातार भरपूर बारिश हो रही है। प्रभारी मंत्री ने राजस्थान में भजनलाल सरकार के द्वारा प्रारंभ की गई है कई योजनाओं के बारे में जानकारी दी हरिया लो राजस्थान एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान की भी जानकारी दी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना क्या है

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एक ऐसी योजना है जिसके तहत किसानों को खरीफ की फसल के लिए दो प्रतिशत, रबी और तिलहन फसलों के लिए डेढ़ प्रतिशत और व्यावसायिक तथा बागवानी से जुड़ी फसलों के लिए पांच प्रतिशत की अधिकतम सालाना प्रीमियम राशि देनी होती है। किसानों की सुविधा के लिए।

मिशन हरियालो राजस्थान क्या है

हरियाली तीज के अवसर पर 7 अगस्त 2024 को मिशन हरियालो राजस्थान की शुरुवात गई थी। इस पहल का उद्देश राजस्थान को और अधिक हरा-भरा बनाना, राज्य के पर्यावरणीय स्वास्थ्य और समग्र समृद्धि को बढ़ाना है।

एक पेड़ मां के नाम

एक पेड़ मां के नाम एक अभियान है जिसका उद्देश माताओं के सम्मान में और पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ लगाना है। यह अभियान भारत सरकार द्वारा शुरु किया गया है इसका दूसरा चरण 5 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस पर शुरू हुआ था। इस अभियान में लोगों को अपनी माताओं के नाम पर, या धरती माता के नाम पर पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इस तरह की योजनाऐं हमारे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल से राजस्थान में जोर-शोर से लागू की गई हैं। इस वजह से हमारा राजस्थान हरा-भरा नजर आने लगा है एवं विकास के पथ पर सरपट दौड़ रहा है।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

मानवता फाउंडेशन स्टेशन कोटा द्वारा आवश्यक प्रमाण पत्र बनाने हेतु लगाया गया शिविर

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका) मानवता फाउंडेशन द्वारा अंजुमन इस्लामिया व बज़्मे अंसार समिति के सहयोग से रविवार 17 अगस्त को बज़्मे अन्सार मदरसा स्टेशन कोटा में मतदाता जागरूकता के लिए एक केम्प का आयोजन किया गया। केम्प के संयोजक ताहिर खान ने बताया कि आने वाले समय मे निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर कार्यक्रम प्रस्तावित है जिसके तहत मतदाताओं को वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने व उसमे चाहने वाले अवशयक दस्तावेजो की जानकारी दी गई एवं मौके पर जाति व मूल निवासी जैसे प्रमाण पत्र ई-मित्र संचालकों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किये गए। ऑनलाइन आवेदन किये जाने से पहले वार्ड पार्षद दुष्यंत सिंह तोशी व फैजल बैग कोकी द्वारा उन्हें सत्यापित किया गया। सय्यद आमिन अली द्वारा बताया गया कि मौके पर लगभग 765 लोगो के जाति व मूल निवास प्रमाण पत्र हेतु ऑनलाइन आवेदन किया गया। सलीम अंसारी द्वारा बताया गया कि इस तरह के केम्प निरंतर लगाने का प्रयास किया जाएगा जिससे कि लोगो को आवश्यक दस्तावेज बनाने में मदद मिल सके। इस दौरान प्रमुख रूप से अल फलाह ट्रस्ट से किफायत शेख, मुज़फ्फर राईन, रियासत अली, हैदर अली, ई मित्र संचालक शराफत अली, जुगनू, ईशान खान, सीमा सचदेवा, फरीदा बानो, मज़हर भय्या, रईस अंसारी, हुसैन अब्बासी, अतीक पठान, सादिक अंसारी, नदीम अख़्तर, आकिल खान, आरिफ खान, जावेद खान, इमाद फाउंडेशन से अमन खान, साहिल, आसिफ़ सहित अन्य उपस्थित रहे।

चूरू में विजन सोलर का रिबन कटिंग समारोह सम्पन्न

-प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत शुभारंभ हुआ

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर विजन सोलर द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत नए सोलर सिस्टम के शुभारंभ के अवसर पर रिबन कटिंग समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम विजन प्लाज़ा बिसाऊ रोड चूरू में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने सोलर ऊर्जा को भविष्य के लिए आवश्यक बताया और कहा कि यह पहल न केवल स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध करवाएगी बल्कि आमजन को बिजली के खर्च से भी राहत दिलाएगी। इस अवसर पर टाटा पावर सोलर, अदानी सोलर, वारी सोलर, लिवफास्ट सोलर, ल्यूमिनस सोलर एवं यू की एल सोलर जैसी प्रमुख कंपनियों के सहयोग से प्रदर्शनी भी लगाई गई। समारोह में मुंशी खान विजन एवं बाबू खान सन सिटी ने फिता काटकर शुभारंभ किया इस अवसर पर हाजी याकूब थीम, डॉ. एफ एच गोरी, डॉ. जे बी खान, आसीफ खान यूथ जिला अध्यक्ष, विवेक गोयनका, रामचंद्र राजोतिया, असलम खान, आसिफ खान, इमरान खान, अरशद खान, महम्मुद खान के के, एहसान खान, मेगाराम, एडवोकेट जावेद खान, जब्बार खान, असलम खान तनु, अनवर खान थानेदार आदि काफी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे और, दीपक जांगिड़, गोपीराम, आदिल पठान, अभिषेक सहित स्टाफ ने सभी का फूल मालाओं से स्वागत किया। विजन सोलर के संचालक असलम खान विजन ने बताया कि सोलर पैनल लगाने से बिजली की बचत होती है और सरकार भी इसके लिए सब्सिडी देती है सोलर पैनल लगाने से बिजली बिल में सोलर पैनल से आप अच्छी खासी बिजली बचत कर सकते हैं और अतिरिक्त बिजली को ग्रेड में बेचकर आय भी अर्जित कर सकते हैं। आए हुए सभी मेहमानों का आभार जताते हुए कहा कि विजन सोलर निरंतर आमजन को सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत रहेगा। और सभी का आभार व्यक्त किया।

एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर 21 अगस्त को

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रोजगार सेवा निदेशालय राजस्थान, जयपुर तथा जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार जिला रोजगार कार्यालय द्वारा बेरोजगार युवाओं के लिए 21 अगस्त, 2025 को सवेरे 09:30 बजे जिला मुख्यालय स्थित मातुश्री कमला गोयनका टाउन हॉल में एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया जाएगा। रोजगार सहायक निदेशक वर्षा जानू ने बताया कि इस शिविर में आईटीआई, पॉलीटेक्निक, बीटेक सहित राज्य के तकनीकी योग्यता प्राप्त शिक्षित बेरोजगार आशार्थियों को पुखराज हैल्थ केयर प्रा.लि., प्रथम ऐज्यूकेशन फाउण्डेशन पिलानी, राक्षा सेक्योरिटी, बैंक ऑफ बड़ौदा आरसेईटीआई, सीआईआई एमसीसी, एसबीआई जीवन बीमा, चूरू ग्लेयर एग्रो प्राइवेट लिमिटेड इत्यादि निजी क्षेत्र कम्पनियों में रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि विभिन्न कम्पनियों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से लगभग 1000 रिक्त पदों के विरूद्ध बेरोजगार आशार्थियों का चयन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त स्वरोजगार, ऋण योजना तथा विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जिला उद्योग केन्द्र, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, आरएसएलडीसी विभाग, अनुजा निगम सहित राजकीय विभागों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बेरोजगार आशार्थी अपने मूल शैक्षणिक/फोटोयुक्त पहचान पत्र दस्तावेज मय प्रतिलिपि व पासपोर्ट साइज फोटो के साथ रोजगार सहायता शिविर में भाग ले सकते हैं। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिये आशार्थी जिला रोजगार कार्यालय, चूरू में सम्पर्क कर सकते हैं।

पंचायत अंसारियांन बड़ी हथाई मांगरोल ने किया पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद गर्ग का स्वागत

मांगरोल (रॉयल पत्रिका) । पंचायत अंसारियान बड़ी हथाई समाज सेवा संस्थान की जानिब से सोमवार को आनंद गर्ग पूर्व जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी जिला बारां के मांगरोल आगमन पर साफा बंधन कर स्वागत सत्कार किया गया और पंचायत की कारगुजारियों और अंजुमन मदरसा इस्लामिया सीनियर सेकंडरी स्कूल मांगरोल के बारे मे जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर पंचायत अंसारियान समाज सेवा संस्थान के अध्यक्ष अशरफ अली, फारूक भाई, सिराज भाई, अब्दुल हकीम, वसीम अख्तर, सदर इंतिजामिया कमेटी हाजी मोहम्मद सलीम बीड़ी वाले, रईस भाई, डॉ इकबाल, सेठ मोहम्मद अशफ़ाक सदर ईदगाह कमेटी मांगरोल, असगर अली पार्षद, इकबाल भाई बकरे वाले, डॉ हमीद, मोहम्मद अंसार प्रधानाचार्य और अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा मांगरोल के पदाधिकारी, अब्दुल मतीन सदर PHS, गोलू, इकबाल काजी, सादिक भाई, मोहम्मद इलियास आदि शामिल रहे।

विश्व यादव परिषद के प्रदेश अध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष द्वारा कार्यकारिणी का विस्तार किया

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। विश्व यादव परिषद के प्रदेश अध्यक्ष रामदेव यादव तथा जिला अध्यक्ष सीताराम यादव के द्वारा एक बैठक लेकर उसमें कार्यकारिणी का विस्तार को लेकर ग्राम पंचायत कंवरपुरा से इकाई अध्यक्ष पद पर हर नाथ कोसया व उपाध्यक्ष पद पर एडवोकेट दीपक कुमार बिछवालिया, कोषाध्यक्ष पद पर शंकर लाल ठोठवाल ओ मनोनीत किया। इसी प्रकार तहसील अध्यक्ष नारायण यादव, युवा तहसील अध्यक्ष मोहन यादव, किसान संघ प्रदेश सच इन गोवर्धन यादव, सुरक्षा संघ तहसील अध्यक्ष किशन लाल यादव, चुनाव प्रभारी चंद्र प्रकाश यादव, कजोड़ मल यादव, लक्ष्मी नारायण यादव, व्यापार संघ भंवर लाल यादव, मंडोर इकाई अध्यक्ष नंदलाल यादव, टोंक के प्रभारी कजोड़ यादव सहित को मनोनीत किया इस मौके पर मनोनीत सभी अध्यक्षो एवं अन्य सदस्यों को साफ़ा पहनकर व माल्यार्पण कर सम्मान साधुवाद दिया।

"एक पेड़, माँ के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम किया

तारानगर (रॉयल पत्रिका)। संस्थान 'स्टारसिटी मेडिकल ऑफ़ फ़ार्मेसी, राजगढ़ रोड, तारानगर' में "एक पेड़, माँ के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्था संरक्षक राजवीर चौधरी एवं राठौड़ मैडम की अध्यक्षता में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में औषधीय पौधों सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। विशेष रूप से विद्यार्थियों के ज्ञान और व्यवहारिक अभ्यास हेतु कई तरह के औषधीय पौधों का रोपण किया गया जिसमें एलो, आर्जुना, धनिया, अदरक, लौंग, काली मिर्च, जायफल, बेलाडोना, पुनर्नवा, नीम आदि औषधीय पौधों के साथ-साथ वातावरण एवं स्थानीय जैव विविधता को बढ़ावा देने हेतु कुछ स्थानीय प्रजातियों के पौधे भी लगाए गए, जिससे विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र में पाए जाने वाले पौधों की पहचान तथा उनका महत्व समझने का अवसर मिला। इस अवसर पर वीरेंद्र राठौड़ स्टारसिटी विद्यालय प्रधानाचार्य, अखिल, अंजनी सैन, वीरेंद्र सोलंकी, समीर हिसारिया, अंकित व्यास, शैलेन्द्र राठोर, विशाल नरवाल, बबीता, कोमन, दलीप एवं अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रामदेवरा पैदल यात्री संघ को किया रवाना

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा व विधानसभा संयेजक पदमसिंह राठौड़ ने रामदेवरा पैदल यात्री संघ के पैदल यात्रियों को झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि चूरू धार्मिक नगरी है छोटी काशी के रूप में इसकी पहचान है हर वर्ग के लोगो में धार्मिक आस्था दिखाई देती है। लोक देवता रामदेवजी जन जन की आस्था के केन्द्र है यहां से अनेक पैदल यात्री संघ रामदेवरा के लिए रवाना होते है यह यात्री संघ धार्मिक श्रद्वा व आस्था के साथ पैदल मार्ग से रामदेवजी के धाम में दर्शन पुजन करते है। यह परम्परा वर्षो से हमारे यहां चल रही है। हम आज पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व विधायक हरलाल सहारण की ओर से शुभकामनाऐं देने के लिए यहां आए है। आप सभी की यात्रा मगलमय हो यह बाबा रामदेवजी से हम प्रार्थना करते है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि विधायक विकास कोष से रैगर बस्ती में 8 लाख रू. के विकास कार्य करवाये जायेगे। जिससे अनेक मुलभूत सुविधाओं का विकास हो पायेगा। कार्यक्रम में बोलते हुऐ विधानसभा संयोजक पदमसिंह राठौड़ ने कहा कि हमारी यह परम्परा विश्व में अनुठी है यह धार्मिक आस्था हमें एक दुसरे के साथ जोड़ती है। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण ने अपनी और से आर्थिक सहयेग दिया। इसी क्रम में बाल्मिकी बस्ती से रवाना हुऐ पैदल यात्री संघ को भी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया एवम् उन्हे भी आर्थिक सहयोग दिया गया। इस अवसर पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र कंवल, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष अजीत मेघवाल, पार्षद आन्नद रैगर, मण्डल उपाध्यक्ष सीपी शर्मा, सुनील भाउवाला, भिखमचन्द बगड़िया सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सांवरमल गहनोलिया ने किया।

माउंट आबू इंटरनेशनल हाफ मैराथन में बारां रनर्स क्लब की शानदार भागीदारी

बारां (रॉयल पत्रिका)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा माउंट आबू में आयोजित 7वीं दादी प्रकाशमणी इंटरनेशनल हाफ मैराथन में बारां रनर्स क्लब के धावकों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। देश-विदेश से आए हजारों धावकों के बीच बारां के खिलाड़ियों ने अपनी फिटनेस, जुनून और अनुशासन का बेहतरीन परिचय देते हुए जिले और शहर का नाम रोशन किया। यह मैराथन न केवल खेल प्रतियोगिता थी बल्कि रन फॉर पीस एण्ड हैल्थ के संदेश के साथ आयोजित की गई। इसमें प्रतिभागियों ने नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली और विश्व शांति का संदेश भी जन-जन तक पहुँचाया। बारां रनर्स क्लब के धावकों ने हाफ मैराथन (21 किमी) में हिस्सा लिया। सभी धावकों ने पूरी ऊर्जा और उमंग के साथ अपनी-अपनी दूरी पूरी की और शानदार टाइमिंग दर्ज की। बारां रनर्स क्लब के विपिन गोयंका ने बताया कि मेराथॉन में मोहित सिंह हाडा, डॉ. निखिल गुप्ता, डॉ. संजय मीणा, डॉ. संतोष मेहता, विकास मीणा, रवि सेन, विपिन गोयंका, हेमंत मेघवाल, अर्पित अग्रवाल ने भाग लिया और मेराथॉन को सफलता पूर्वक पूर्ण किया। क्लब के सदस्यों ने कहा कि यह अनुभव उनके लिए बेहद प्रेरणादायक रहा। बड़े स्तर पर आयोजित इस मैराथन में भाग लेने से आत्मविश्वास बढ़ा है और अब उनका लक्ष्य है कि आने वाले समय में और अधिक धावक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करें। बारां रनर्स क्लब के डॉ. निखिल गुप्ता, संजय मीना ने बताया कि संस्था लगातार जिले में स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए रनिंग इवेंट्स और अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित करती रहती है। इस तरह की भागीदारी से खेल संस्कृति को नई पहचान मिलेगी और आने वाली पीढ़ी भी फिटनेस के प्रति सजग होगी। अंत में क्लब ने माउंट आबू मैराथन के आयोजकों का आभार जताया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का संकल्प लिया।

चौमूं में भव्य मंगल कलश यात्रा

-विधायक बालमुकुंद आचार्य मंगल कलश यात्रा में हुए शामिल

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर में भव्य मंगल कलश यात्रा का आयोजन, हजारों महिलाओं ने लिया हिस्सा गायत्री मंदिर से निकली विशाल मंगल कलश यात्रा, पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत, श्री जगतगुरु राघवाचार्य महाराज के सानिध्य में हुआ विद्वान संगोष्ठी कार्यक्रम, हरिकृष्णदास वाले बाबा के नेतृत्व में आयोजन हुआ। हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य मंगल कलश यात्रा में हुए शामिल, चौमूं वासियों ने विधायक बालमुकुंद आचार्य का माला पहनाकर किया स्वागत। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा व पूर्व पालिका अध्यक्ष आशीष दुसाद का चौमूं वासियों ने किया भव्य स्वागत। गायत्री मंदिर से अंजनी हनुमान धाम तक निकली विशाल मंगल कलश यात्रा, मंगल कलश यात्रा में सुरक्षा व्यवस्था संभालते नजर आए चौमूं SHO प्रदीप शर्मा ।

मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR): प्रक्रिया, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश, और आपके लिए आवश्यक जानकारी

भारत एक लोकतांत्रिक देश है, और यहाँ चुनावों की निष्पक्षता का आधार एक सटीक और त्रुटिहीन मतदाता सूची होती है। इसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, भारत का चुनाव आयोग (ECI) समय-समय पर *विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision - SIR)* प्रक्रिया आयोजित करता है। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची से अपात्र या गलत नामों (जैसे मृत व्यक्ति, डुप्लीकेट नाम, या अन्यत्र स्थानांतरित हो चुके मतदाता) को हटाना और यह सुनिश्चित करना है कि केवल पात्र नागरिक ही वोट डाल सकें हाल ही में बिहार सहित देश के कई हिस्सों में यह प्रक्रिया चर्चा का विषय रही है, और इससे जुड़ी कुछ याचिकाएँ सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुँची हैं। अदालत ने इस प्रक्रिया को बंद करने से तो इनकार कर दिया, लेकिन इसे अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और "मतदाता-अनुकूल" बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं ।

SIR पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर और महत्वपूर्ण निर्देश :-

बिहार में हुई SIR प्रक्रिया पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कई अहम टिप्पणियाँ कीं, जो पूरे देश में होने वाली ऐसी प्रक्रियाओं के लिए एक मिसाल हैं

चुनाव आयोग का अधिकार :-

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि SIR प्रक्रिया आयोजित करना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21(3) के तहत आयोग को यह शक्ति प्राप्त है कि वह मतदाता सूची को संशोधित करने के लिए जब चाहे विशेष पुनरीक्षण करा सकता है। अदालत ने माना कि मतदाता सूची कभी भी स्थायी नहीं हो सकती और इसकी शुद्धि आवश्यक है।

पारदर्शिता सर्वोपरि :-

अदालत ने पारदर्शिता पर सबसे अधिक जोर दिया है। ECI को निर्देश दिया गया है कि मतदाता सूची से हटाए गए सभी नामों की सूची कारण सहित अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित की जाए। इससे प्रभावित व्यक्तियों को यह जानने का मौका मिलेगा कि उनका नाम क्यों हटाया गया और वे समय पर आपत्ति दर्ज़ करा सकेंगे।

प्रक्रिया मतदाता-अनुकूल हो:-

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाताओं को परेशान करना नहीं, बल्कि उनकी सहायता करना होना चाहिए। अदालत ने 11 स्वीकृत दस्तावेज़ों में से कोई एक जमा करने की शर्त को उचित ठहराया और इसे "मतदाता-अनुकूल" बताया ।

आधार कार्ड की स्वीकार्यता:-

शुरुआत में आधार कार्ड को दस्तावेज़ के रूप में स्वीकार नहीं किया जा रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर हस्तक्षेप करते हुए निर्देश दिया कि आधार कार्ड को भी एक वैध दस्तावेज़ के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए, क्योंकि यह नागरिकों के लिए सबसे सुलभ पहचान प्रमाणों में से एक है।

निष्पक्षता और तर्कसंगतता:-

अदालत ने जोर देकर कहा कि प्रक्रिया निष्पक्ष और तर्कसंगत होनी चाहिए। किसी भी नागरिक को उसके मताधिकार जैसे बहुमूल्य अधिकार से वंचित करने वाली प्रक्रिया मनमानी नहीं हो सकती

दस्तावेज़ :-

जानकारी के अनुसार, राजस्थान में SIR प्रक्रिया के तहत मतदाताओं को उनकी जन्म तिथि के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा गया है। आपको अपने बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) को एक परिगणना फॉर्म भरकर उसके साथ दस्तावेज़ जमा करने होंगे।

आपको कम से कम दो दस्तावेज़ तैयार रखने चाहिए ताकि फॉर्म भरने में कोई परेशानी न हो।

स्वीकार्य 11 दस्तावेज़ों की सूची

आप नीचे दी गई सूची में से कोई भी दस्तावेज़ जमा कर सकते हैं:

1. केंद्र/राज्य सरकार/PSU द्वारा जारी पहचान पत्र या पेंशन कार्ड
2. 01/07/1987 से पूर्व जारी सरकारी/बैंक/LIC/डाकघर/PSU का प्रमाण पत्र
3. जन्म प्रमाण पत्र
4. पासपोर्ट
5. मूल निवास प्रमाण पत्र
6. 10वीं बोर्ड की अंकतालिका मय प्रमाण पत्र
7. वन अधिकार प्रमाण पत्र
8. अन्य पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र
9. राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC), यदि लागू हो
10. राज्य/स्थानीय अधिकारियों द्वारा तैयार किया गया परिवार रजिस्टर
11. सरकार द्वारा जारी कोई भूमि/गृह आवंटन प्रमाण पत्र

नोट :- SIR एक गहन पुनरीक्षण हैं इससे घबराएं नहीं बल्कि अपने दस्तावेज को तैयार करें।

अधिवक्ता कल्बे मोहम्मद
राजस्थान हाई कोर्ट, जोधपुर

छः न्याति ब्राह्मण महासंघ चूरू इकाई की विमर्श बैठक लक्ष्मी नाथ जी मंदिर में संपन्न हुई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर छः न्याति ब्राहम्ण महासंघ चूरू ईकाई की विमर्श बैठक लक्ष्मीनाथ जी मंदिर में जिलाध्यक्ष पंडित महेश बावलिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस अवसर पर छः न्याति ब्राहम्ण महासंघ की महिला शाखा का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मती से दिपिका शर्मा को अध्यक्ष एवम् आन्नदबाला शर्मा को सरक्षक मनोनित किया गया। बैठक में आगामी 5 सितम्बर को होने वाले वार्षिक उत्सव कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई। कार्यक्रम में विप्र समाज के वक्ताओं ने अपने विचार रखे। जिलाध्यक्ष महेश बावलिया ने बताया कि आगामी 5 सितम्बर को दादू भवन में छः न्याति ब्राहम्ण महासभा का वार्षिक उत्सव मनाया जायेगा जिसमें प्रदेश स्तर के पदाधिकारी एवम् छः न्याति समाज के विप्रगण उपस्थित रहेगे। इस अवसर पर दिनेश कुमार बावलिया, सुरेश सारस्वत, कैलाश नवहाल, राजीव शर्मा, विनेद दाधीच, बाबू पाटील, विनोद औझा, महेश मिश्रा, नवरतन शर्मा, राकेश दाधीच, जुगल पाण्डे, लवकुमार कालिया, गुरूदास भारती, रामावतार पारीक, विजय लक्ष्मी शर्मा, निरू शर्मा, विमला शर्मा, धनेश्वरी देवी, प्रेमलता, राजकुमारी शर्मा, सुषमा शर्मा, रजनी शर्मा, सोनू शर्मा, लक्ष्मी शर्मा, अनील शर्मा, रमेश पारीक, पुरूषोतम शर्मा, ब्रजमोहन शर्मा सहित अनेक छः न्याति विप्र समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रवि दाधीच ने किया।

अंजुमन इत्तिहाद-ए-बाहमी जिला बारां की कार्यकारिणी घोषित

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंजुमन इत्तिहाद-ए-बाहमी जिला बारां की शूरा की बैठक अंजुमन मेरीज हाल में सम्पन्न हुई। बैठक में समाज की भलाई, शिक्षा, और संस्था की आगामी रणनीतियों, सामाजिक मुद्दों और समुदाय के विकास से जुड़ी योजनाओं को लेकर चर्चा की गई, संगठन को मजबूत व गती प्रदान करने के लिए जिला बारां के नवनियुक्त सदर आबिद हुसैन अंसारी व शूरा मेंबर ने अपनी नई कार्यकारिणी गठित की, जिसमें जनरल सेक्रेटरी के पद पर अब्दुल मतीन को चुना गया। नायब सदर के पद पर हाजी नासिर मिर्जा, हाजी अब्दुल हसीब, हाजी अनवर अली पीटीआई, कोषाध्यक्ष हाजी इकबाल मेडिकल वाले, प्रेस प्रवक्ता शाहिद इकबाल भाटी को नियुक्त किया गया। इस दोरान अंजुमन इस्लामिया के सदर माजिद सलीम, नायब सदर जाकिर मंसूरी, पूर्व उपसभापति हाजी अब्दुल गनी, पूर्व वक्फ बोर्ड चेयरमैन साजिद सलीम, वक्फ बोर्ड चेयरमैन इरफान अंसारी, इकबाल नेता, मुफ्ती मोहम्मद उमर, अशरफ देशवाली, शाहिद कुंडी, ईदगाह सदर सद्दाम हुसैन अंसारी, मोलाना अख्तर नदवी, मोलाना इम्तियाज, अजीज अंसारी, अब्दुल अजीज अज्जू, पार्षद जाकिर खान, अख़लाक़ अंसारी, बारां तहसील सदर अलीम मंसूरी, सईद अंसारी डिस्क, हिसामुद्दीन सिद्दीकी, मोहम्मद वासीद खान, हाजी वसीम अहमद, इफ्तिखार अहमद बबलू आदि शूरा मेंबर जिम्मेदार मौजूद रहे।

चूरू जिला कलक्टर सुराणा को मिला सेना प्रमुख (सीओएएस) प्रशस्ति-पत्र

चूरू (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चूरू जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा को सेना प्रमुख 24(सीओएएस) प्रशस्ति पत्र पुरस्कार प्रदान किया गया। जिला कलक्टर को ऑपरेशन सिंदूर के लिए सिविलियन श्रेणी में प्रशस्ति-पत्र पुरस्कार मिला है। गौरतलब है कि भारतीय सेना के प्रशंसा पत्र भारतीय सेना के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) द्वारा वीरता, विशिष्ट सेवा या कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए प्रदान किए जाते हैं। चूरू जिला प्रशासन की इस उपलब्धि पर पूरे जिले में खुशी की लहर है।

पाली में पहली बार खिदमत-ए-खल्क ने आयोजित किया सांइस शो

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। खिदमत-ए-खल्क चैरीटेबल ट्रस्ट ने घोसी समाज भवन पाली में साइंस शो का आयोजन किया जिसमें दिल्ली के आसिफ सर ने साइंस शो बताकर छात्र छात्राओं में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने का कार्य किया इस साइंस शो में विभिन्न विद्यालयों के लगभग 350 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस शो का आयोजन करवाने के लिए घोसी समाज का विषेश सहयोग रहा, समाज की ओर से निशुल्क भवन उपलब्ध करवाया गया तथा घोसी समाज की ओर से छात्र छात्राओं के लिए पानी, आइसक्रीम व नाश्ते की व्यवस्था की गई। घोसी समाज ने दिल्ली से आए आसिफ सर व खिदमत-ए-खल्क पदाधिकारियों का स्वागत किया। घोसी समाज पंचायत भवन समिति के सदर इब्राहिम चौहान ने कहा कि खिदमत ए खल्क संस्था को आगे भी हमारा सहयोग जारी रहेगा इस मौके पर धोसी समाज पंचायत भवन समिति के इब्राहिम चौहान, मोहम्मद रईस सोलंकी, मोहम्मद रफीक भाटी, इकबाल भाटी, रफीक सोलंकी, मोहम्मद रोशन व समाज के मौजिज बाबू भाई मोयल,सफी चौहान, मोहम्मद न्याज, मोहम्मद शौकिन सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। खिदमत-ए-खल्क चैरीटेबल ट्रस्ट के मुर्तजा हसन डॉ. आरिफ मोयल, मोहम्मद यासीन, असरफ कादरी, आमीन गौरी, आसिफ जोय,अमजद जोय, फरहान, सालिक,अनवार आलम, इमरान बेलिम,तौसिफ का कार्यक्रम में विषेश सहयोग रहा।

जाहरवीर गोगाजी महाराज के मेले में लगा आस्था का मेला

-विधायक हरलाल सहारण ने किया भक्तों का सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जाहरवीर गोगा जी महाराज के मेले में विधायक हरलाल सहारण व जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने विभिन्न अखाड़ों के भक्तों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि हमारे लोक देवता गोगा जी महाराज की चूरू के लोगों में गहरी आस्था है और लोक देवताओं की मान्यता हमें आपसी सामंजस्य प्रेम एकता का संदेश देती है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में लोक मान्यताओं का गहरा अर्थ है। मान्यता है आमजन आस्था से इनके हाजिरी लगाता है उन्होंने इन्हें सांप्रदायिक सद्भाव के रूप में भी महत्वपूर्ण बताया। विभिन्न अखाड़ों के भक्तों का रुपयों की माला, साफा व मोमेंटो देकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधानसभा संयोजक पदम सिंह राठौड़ प्रधान दीप चंद्र राहड़ उप जिला प्रमुख महेंद्र न्यौल, अभिषेक चोटिया, मंडल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, धर्मेंद्र राकसिया,विमला गढ़वाल, नरेंद्र काछवाल, सत्तार खान, गोगराज सैनी, जिला मंत्री दीन दयाल सैनी, दौलत तंवर, सुशील लता सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दाई हलीमा हॉस्पिटल में स्वतंत्रता दिवस मनाया

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्रता दिवस के इस मुबारक मौके पर दाई हलीमा मेटरनिटी एंड जनरल हॉस्पिटल में जज़्बा-ए-वतन और खिदमत-ए-खलक का खूबसूरत संगम देखने को मिला। चेयरमैन जनाब रफ़ीक ने परचमकुशाई की, और रॉयल एंजेल स्कूल की प्यारी फातिमाओं ने पूरे जज़्बे और मोहब्बत के साथ राष्ट्रगान पेश किया। इस मौके पर बेटियों ने इस "शहर की शान" हॉस्पिटल का पूरा दौरा किया, और अपनी मासूम मुस्कुराहटों के साथ खुशी का इज़हार किया। उन्होंने कहा कि यह हॉस्पिटल आने वाली नस्लों के लिए एक इब्रत और मील का पत्थर है—जहाँ इलाज के साथ-साथ इंसानियत और रहमत की खुशबू बिखरती है। फातिमाओं ने पुरी टीम का दिल से शुक्रिया अदा किया और वादा किया कि आने वाले वक़्त में वे इस हॉस्पिटल के लिए दुआ भी करेंगी और हर तरह से इसे बुलंदियों पर ले जाने में अपना हिस्सा डालेंगी। हम दुआ करते हैं कि अल्लाह तआला इस हॉस्पिटल को हमेशा खैर, बरकत और कामयाबी से नवाज़े, और इस खिदमत को सवाब-ए-जारीया बनाए।

1500 सालाना ईद मिलादुन्नबी के पोस्टर का विमोचन किया

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मोहम्मद सद्दीक राजू ओर नसीम अली ने बताया कि जुलूस की तैयारी को लेकर मुफ्ती शेर मोहम्मद खान साहब रिजवी, सय्यद मोहियूद्दीन अशरफ, मुफ्ती आलमगीर मिस्बाही, सलीम पंवार, मोहम्मद साजिद ईदगाह, साजिद खान जोधाणा, कारी बरकत साहब, मौलाना अंजार, मोलाना अशरफ, मौलाना हुसैन अशरफी, मोलाना जाकिर, मुफ्ती बशीर नक्शबंदी, मौलाना रफीक, हाफिज जावेद रिज्वी, हाफिज आशकार, हाफिज नाजिम, मौलाना रेहान, हाफिज कमर, पीर जावेद मिनाई, मुबलिग रफीक, मास्टर हसनैन अशरफी, मौलाना मोहम्मद आसिफ, मौलाना अब्दुल माजीद, मौलाना अब्दुल रहीम, हाफिज मोहम्मद हुसैन के हाथों दारूल उलूम इस्हाकिया ओर जालोरी गेट ईदगाह में पोस्टर विमोचन करवाया गया। मुफ्ती शेर मोहम्मद खान साहब ने आह्वान किया कि इस बार जुलूस जुम्मे के होता है तो जुम्मे की नमाज अदा करने के लिए जुलूस समय पर शुरू हो और और नमाज से पहले खत्म हो 1500 साला ईद मिलादुन्नबी जुलूस के लिए विशेष आयोजन होंगे। मौलाना जावेद हुसैन ने बताया कि ओलमाए अहले सुन्नत की मान्यता के अनुसार इस बार 1500 साला ईद मिलादुन्नबी मनाया जाएगा एवं पूरे अदबो, एहतराम और अकीदत से जुलूस निकाला जाएगा व निरंतर 12 दिन तक नशे के विरुद्ध पोस्टर व बैनर द्वारा लोगों को जागरूक करने का काम किया जाएगा साथ ही साथ फिजूल खर्ची रोककर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आवाहन किया जाएगा ताकि आमजन अपने से पिछड़े लोगों की मदद कर सके और शिक्षा में सहयोग कर सके। साजिद खान ने बताया कि पोस्टर विमोचन के मौके पर नसीम अली, मोहम्मद जावेद, एडवोकेट अब्दुल खालिद, मोहम्मद सलीम मुन्ना, मोहम्मद सदीक राजू, मोहम्मद इरफान कुरैशी, मोहम्मद कायम, उमर सामरिया, मोहसिन अत्तारी, आसिफ नूरी, हेदर नुरी, हेदर अली, नासिर हुसैन, मोहम्मद शाहरुख, इमरान कुरेशी, जुल्फिकार अली, नूर मोहम्मद इफ्तिकार अहमद, सिराजुद्दीन, नफीस अहमद, वाजिद उस्ताद आजाद सहित ओलमाए अहले सुन्नत, जोधपुर के तमाम बुद्धिजीवी, विद्वान और तमाम आशिकाने रसूल जोधपुर के हाथों से पोस्टर विमोचन करवाया गया। तंजीम अइम्मा ए अहले सुन्नत एवं आशिकाने रसूल कमेटी के तमाम जिम्मेदारों ने प्रस्ताव पारित करते हुए कहा कि 2023 2024 मैं निकाले गए जुलूस की तरह होगा इस बार भी जुलूस में टू व्हीलर, फोर व्हीलर, बैंड बाजे, ढोल ताशे, झांकियों नाबालिग बच्चे और महिलाओं पर जुलूस में पूर्ण प्रतिबंध रखा है। साजिद खान ने कहा कि इस बार जुलूस शुक्रवार को आ रहा है और शुक्रवार की नमाज को इस्लामी मान्यता अनुसार बहुत बड़ा माना जाता है इसलिए जुलूस सुबह जल्दी 7:30 बजे दरगाह हजरत अब्दुल लतीफ शाह दरगाह के यहां से रवाना होते हुए ईदगाह आकर जुम्मे की नमाज अदा करेगा।

जामिया अरबिया इस्लामिया दारुल उलूम में स्वतंत्रता दिवस पर बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जामिया अरबिया इस्लामिया दारूल उलूम में 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूम धाम से मनाया। इस दोरान मुख्य अतिथि डॉ मुमताज अली कुरैशी एवं बाबु खान सनसिटी ने ध्वजारोहाण कर प्रोग्राम का आगाज किया। बच्चों ने परेड की और सलामी दी। इसी कर्म में विशिष्ट अतिथि शौकत खान झारिया एडिशनल कमिश्नर रि, अयूब खान एडिशनल एसपी रि, डॉ. अहसान गोरी आसिफ खान यूथ जिला अध्यक्ष, डॉ. अख्तर खान, हाजी याकूब थीम, डॉ. मुस्तकम शेख, नूर मोहम्मद खान आबकारी अधिकारी, हाजी गनी खान दौलत खानी, मुंशी खान एलमान, सभी ने स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी एवं स्वतंत्रता दिवस के अहमियत के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में स्कूल एवं मदरसे के बच्चों ने विभिन्न-विभिन्न तरह के कार्यक्रम एवं नाते प्रस्तुत की कार्यक्रम में अनवर खान थानेदार, करामत खान, मास्टर फारूक, अब्दुल जब्बार, आसिफ खान, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन मुफ्ती इरशाद कासमी एवं प्रधानाध्यापक आवेश कुरैशी ने किया।

सीरत सराय चैरिटी ट्रस्ट में ध्वजारोहण

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका) । सीरत सराय चैरिटी ट्रस्ट में 79वा स्वतंत्रता दिवस समारोह पारम्परिक एंव सादगी पूर्ण तरीके से मनाया गया। प्रातः 11:00 बजे चैयरमेन जनाब शब्बीर अहमद शेख ने ध्वजारोहण किया। सेकेट्री जनाब अब्दुल सलाम मंसूरी ने स्वतंत्रता दिवस पर विस्तृत प्रकाश डाला। बच्चों ने कौमी तराना प्रस्तुत किया। संस्था के चैयरमेन जनाब शब्बीर अहमद शेख ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत मे बच्चों मे मिठाई वितरित कि गई।

जोधाणा मंच द्वारा स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 11000 तिरंगा चिन्ह वितरण किए

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। नवीन जोधाणा जागरण मंच संस्थान की ओर से हर साल की तरह इस साल भी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राजीव गांधी स्टैचू के पास 11000 तिरंगा चिन्ह वितरण किए गए और अतिथी सम्मान किया। संस्थापक साजिद खान ने बताया कि 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के मौके पर नशे के विरुद्ध नुक्कड़ नाटक किया गया नाटक में मोहम्मद सलीम मुन्ना, आसिफ नूरी और अध्यक्ष इमरान कुरेशी, ओर उस्मान नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। नुक्कड़ नाटक को लेकर जिला अध्यक्ष सलीम खान ने मंच द्वारा नशे के विरुद्ध चलाएं अभियान के लिए कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस दौरान एडवोकेट असलम खान, इकबाल अली रंगरेज, संरक्षक मोहम्मद इरफान कुरैशी, नसीम अली, राजु खान, जोधाणा युवा मंच के अध्यक्ष अकरम सांखला, इमरान खान, मोहम्मद सलीम मुन्ना, शौकत कुरैशी, शकील अहमद, ताजदार अब्बासी, मोहम्मद समीर, राजु खान, शाहरुख खान, मोहम्मद लियाकत, मोहम्मद समीर, मोहम्मद उस्मान, मोहम्मद अशफाक, सोहेल जिन्दरान, इफ्तिखार अहमद मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद अली, समीर बेलिम, आरिफ राठौर, आदि उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर दावते इस्लामी ने लगाया ब्लड डोनेशन कैम्प

सादुलपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दावते इस्लामी के वेलफेयर डिपार्टमेंट गरीब नवाज रिलिफ फाउंडेशन ने 79 स्वतंत्रता दिवस पर सोनी ब्लड बैंक में ब्लड डोनेशन कैम्प लगाया। जिसमे बढ़ चढ़ कर नोजवानों ने ब्लड़ डोनेट किया। संस्था के शैख असलम अत्तारी ने बताया कि हमारा मकसद हैं कि कोई खुन कि कमी से ना मरे। जरुरत मंद को आसानी से खुन मील जाए। इसी उदेश्य से आज यह ब्लड डोनेशन कैम्प लगाया गया है। इस मौके हाजी निसार चौहान एम डी, नसीम कुरैशी मुस्तका प्रधान, डाक्टर रामावतार सोनी, आमीन बेग, मास्टर सदिक खींची, यासीन खान पी टी आई, मुमताज खान, अलताफ चौहान, मदनी मरकज के इमाम वसीम रजा, डॉ. अय्युब, डॉ. अकबर बैग, नौशाद, जब्बार, इसपाक आदि ने ब्लड डोनेट करने वालो को सर्टिफिकेट देकर आभार व्यक्त किया।

जिला पुलिस अधीक्षक की पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध गोष्ठी सम्पन्न

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जय यादव आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला चूरू ने बताया कि 16 अगस्त को रिजर्व पुलिस लाईन चूरू के सभागार में जिले के समस्त अधिकारियों के साथ अपराध गोष्ठी ली गई। अपराध गोष्ठी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) चूरू तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजगढ एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक त्वरित अनुसंधान सैल चूरू सहित जिले के समस्त वृताधिकारी एवं थानाधिकारी उपस्थित थे। पुलिस अधीक्षक जिला चूरू ने सर्किल तथा थानों में अपराधों व उनकी रोकथाम के लिए किये गये प्रयासो की जानकारी प्राप्त की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इंसदादी तथा माईनर एक्ट की कार्यवाही ज्यादा प्रभावी तरिके से करने पर जोर दिये जाने के निर्देश दिये गये। भारत सरकार द्वारा नये आपराधिक कानून बीएनएस एवं बीएनएसएस को प्रभावी रूप से संचालन हेतु राजस्थान राज्य को मॉडल स्टेट बनाया जाना है। इस सम्बन्ध में जिले के समस्त पुलिस अधिकारियो को राजस्थान मॉडल के अनुरूप नये आपराधिक कानून 2023 के अन्तर्गत सफल क्रियान्वयन हेतु दिशा-निर्देश दिये गये है। 60 व 90 दिन की समया अवधि में प्रकरणो का निस्तारण करने, मेडिकल करवाने के लिये तहरीर सीसीटीएनएस के माध्यम से भेजने, आईगोट कर्मयोगी एप का रजिस्ट्रेशन करने गुण्डा एक्ट, 107, बीएनएस राजपासा एवं अन्य अपराधियो के खिलाफ ऑनलाईन डाडा अपडेट करने तथा प्रत्येक कार्यवाही विवरण को सीसीटीएनएस मॉड्युल पर निरन्तर अपडेट करने हेतु निर्देशित किया गया। मालखाना में जप्त माल एवं धारा 52ए एनडीपीएस एक्ट में जप्त माल एवं वाहनो के निस्तारण बाबत आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। अपराध गोष्ठी से पूर्व एसआरकेपीएस प्रतिनिधि राजन चौधरी ने कोटपा पर विस्तृत जानकारी देते हुए युवा पीढी को नशे से दूर रखने हेतु कोटपा की धारा 4,5,6 अ व ब तथा 7 का प्रभावी कियान्वयन करने पर बल दिया। चौधरी ने कहा कि माह में एक बार अभियान के माध्यम से कोटपा का पालन सुनिश्चित करे। उन्होने तम्बाकू मुक्त विधालय, तम्बाकू मुक्त गॉव व तम्बाकू मुक्त युवा पिढी बनाने के लिये पुलिस के सहयोग की अपील करते हुये कहा की तम्बाकू मुक्त चुरू बनाने में आमजन का भी सहयोग लेवे।

शिफा अकेडमी में स्वतंत्रता दिवस पर कई कार्यक्रम हुए

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित शिफा एकेडमी में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। शिफा अकेडमी के डायरेक्टर असलम खा गोड़ ने झंडारोहन किया। मौलाना हारून रिजवी ने कुराने-ए-करीम की तिलावत के साथ प्रोग्राम का आगाज किया छोटे छोटे बच्चों ने दीन-दुनियों के बारे मे अपने प्रोग्राम को आगे बढ़ाया। आलिया श्रमाइरा,आइशा, तमन्ना, अक्सा, शोइवा, शादाब परवेज, लनाया,नदिम गोड़, अलहसीब ने शानदार नज्मो और कविताओं से माहौल को देशभक्ति में बदल दिया। कार्यक्रम का संचालन सानिया माही ने किया। जिसमें विद्यालय के अन्य सदस्यो इमरान अहमद, समीर खान, निशा बहलीम सबीहा कुरेशी, सबाना खान, तस्लुम, शहनाज, खसार व तौकिर हसन ने भरपूर सहयोग किया। कार्यक्रम के अन्त में निर्देशक मोहम्द असलम गौड ने स्वतंत्रता दिवस के बारे में बताया। आए हुए अभिभावको, अतिथियों एवं बच्चों के माता-पिता का शुक्रिया अदा किया। अन्त में बच्चों को इनामात देते हुए प्रिंसिपल शराफत खान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह 2025

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाईन मैदान में जिला प्रशासन चूरू द्वारा आयोजित जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह 2025 के अवसर पर सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य के लिए अमन ट्रस्ट चूरू के अध्यक्ष उस्मान अंसारी को पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर चूरू अभिषेक सुराणा, पुलिस अधीक्षक चूरू जय यादव ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। ज्ञात रहे अमन ट्रस्ट सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में विगत काफी वर्षों से उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य कर रहा है कोरोना काल में जिला प्रशासन चूरू की ओर से अमन ट्रस्ट को जिला मदर एनजीओ नियुक्त किया गया था।

सांचौर में किसानों ने बीमा कंपनी का पुतला फूंका, नारेबाजी कर किया प्रदर्शन

-भारतीय किसान संघ के तत्वाधान में महापड़ाव जारी

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय किसान संघ के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष छोगाराम चौधरी के नेतृत्व में उपखण्ड मुख्यालय के समक्ष किसानों का धरना जारी है। इस दौरान किसानों ने बीमा कंपनी का पुतला जलाकर प्रदर्शन किया तथा मांगों को लेकर-एडीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि 2022 के रबी सीजन का आदान अनुदान जारी करना शामिल है। साथ ही 2023 के खरीफ और रबी सीजन की खराब फसलों का मुआवजा दिया जाए। 2024 के खरीफ और रबी सीजन में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित फसलों का बीमा भुगतान किया जाए, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में क्रॉप कटिंग के समय कम्पनी कर्मचारी और पटवारी मनमाने ढंग से रिपोर्ट बनाते है। वे क्रॉप कटिंग कमेटी में खेत मालिक और चार पड़ोसी किसानों को शामिल करने की मांग कर रहे है। इस दौरान बिजली की समस्याओं पर किसानों ने आपति जताई है। ट्रांसफॉर्मर की उतराई-चढ़ाई का काम किसानों से कराया जाता है। एफआरटी टीम सिर्फ कागजों में है। किसानों ने स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को रोकने की मांग की है। नर्मदा नहर से सिंचाई से वंचित गावों को जोड़ने और पानी की आपूर्ति बढ़ाने की मांग भी की गई है। युरिया व डीएपी की कमी दूर करने और नैनो यूरिया की अनिवार्यता समाप्त करने सहित विभिन्न मांगे रखी। किसानों ने चेतावनी दी कि मांगे पूरी नहीं होने पर महापड़ाव को तेज किया जायेगा। इस दौरान प्रदेश सह मंत्री हरीराम मांजू, सवाराम पुरोहित, पाबुराम विश्नोई, सोमाराम चौधरी, हरिसिंग राजपूत, सताराम चौधरी, चेणीदान चारण, जोगाराम चितलवाना, प्रभुराम, बाबुलाल, केवाराम चितलवाना, नेनाराम चितलवाना, पृथ्वीसिंह डबाल, पीराराम धायल, मसरूराम देवासी, नागजीराम चौधरी, मोहनलाल पुरोहित सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

हिन्दुस्तान जिंक में कार्यरत युवा कर्मचारियों के सम्मान में इकोज ऑफ टुमॉरो अभियान की शुरूआत

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर, दुनिया की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक और शीर्ष पांच सिल्वर उत्पादकों में से एक, हिन्दुस्तान जिंक, अपने युवा कार्यबल के उत्साह, महत्वाकांक्षा और नए विचारों का सम्मान कर रहा है। अपने 62 प्रतिशत कर्मचारियों की उम्र 35 वर्ष से कम होने के साथ, हिन्दुस्तान जिंक, मेटल और माइनिंग इंडस्ट्री में चली आ रही पुरानी सोच को बदल रहा है। यह दर्शाता है कि धातु उद्योग का भविष्य टेक्नोलॉजी, सस्टेनेबिलिटी और दूरदर्शी युवा प्रतिभाओं में है। ये युवा कर्मचारी सिर्फ भविष्य के अग्रणी नहीं हैं, बल्कि आज के बदलाव लाने वाले हैं, जो विचारों को नया रूप दे रहे हैं, बदलाव ला रहे हैं, और उद्योग के भविष्य की झलक दिखा रहे हैं।

इस दिन को यादगार बनाने के लिए, हिन्दुस्तान जिंक ने इकोज ऑफ टुमॉरो अभियान की शुरुआत की है, जिसमें एक ब्रांड फिल्म दिखाई गई है। यह फिल्म 12 अगस्त को लॉन्च होगी, और इसमें युवा कर्मचारियों के जुनून, उनकी प्रतिभा और उनके असर को दिखाया जाएगा। यह फिल्म दर्शाएगी कि कैसे यह जोशीला कार्यबल इनोवेशन को बढ़ावा दे रहा है, सस्टेनेबिलिटी को अपना रहा है और माइनिंग को एक तकनीकी-आधारित, भविष्य के लिए तैयार क्षेत्र में बदल रहा है। हिन्दुस्तान जिंक के युवा कर्मचारी इंजीनियरिंग, पर्यावरण, डिजिटलाइजेशन और ऑटोमेशन में बदलाव लाने में सबसे आगे हैं। एआई पावर्ड मिनरल एक्सप्लोरेशन मॉडल लगाने से लेकर सस्टेनेबिलिटी इनोवेशन को लागू करने तक, ये युवा माइनिंग को सुरक्षित, स्मार्ट और अधिक सस्टेनेबल बनाने में सबसे आगे हैं।

हिन्दुस्तान जिंक के सीईओ, अरुण मिश्रा ने कहा, हिन्दुस्तान जिंक में, हमारी ताकत युवा दिल और तेजी से कार्य करने में है, एक ऐसा कार्यबल जो नई सोच को एक साझा उद्देश्य के साथ मिलाता है। हम एक वैश्विक लीडर की स्थिरता और पहुँच को एक नई उम्र के उद्यम की मजबूती और गति के साथ जोड़ते हैं। निरंतर सीखने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करती है कि हर कर्मचारी तेजी से बदलती दुनिया में इनोवेशन करने, नेतृत्व करने और सफल होने के लिए तैयार है। इस अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर, हम अपने लोगों को केवल योगदानकर्ताओं के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे उत्प्रेरक के रूप में मानते हैं जो बदलाव ला रहे हैं, टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ा रहे हैं, और देश और ग्रह के लिए सस्टेनेबल भविष्य को आकार दे रहे हैं।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/992844315

इस फिल्म में स्टार्स ने लगा दी थी लिपलॉक की झड़ी

बॉलीवुड की तमाम फिल्मों में किसिंग और इंटीमेट सीन दिखाए गए हैं. बोल्ड फिल्मों को लेकर भले ही मेकर्स को आलोचना का सामना करना पड़ता है लेकिन इसके बाद ऐसी फिल्म सिनेमाघरों में आती रहती है. साल 2013 में एक फिल्म रिलीज हुई थी, जिसमें लीड स्टार्स के बीच इतने ज्यादा किसिंग और लिपलॉक सीन दिखाए गए थे कि रिकॉर्ड बन गया था. दोनों स्टार्स ने फिल्म में हद से ज्यादा इंटीमेट सीन दिए लेकिन मेकर्स का तब भी फायदा नहीं हुआ था. आइए जानते हैं कि ये फिल्म कौन सी थी.

फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन 2013 में हुई रिलीज

फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन ने साल 2013 में सिनेमाघरों में दस्तक दी थी. फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन में नील नितिन मुकेश और सोनल चौहान लीड स्टार्स के तौर पर नजर आए थे.

नील नितिन और सोनल ने तोड़ा किसिंग सीन का रिकॉर्ड

फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन में नील नितिन मुकेश और सोनल चौहान के बीच कई किसिंग सीन थे. यहां तक कि दोनों स्टार्स ने फिल्म मर्डर के किसिंग सीन का रिकॉर्ड तोड़ दिया था.

फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन में थे काफी किसिंग सीन

फिल्म मर्डर में इमरान हाशमी और मल्लिका शेरावत के बीच कई किसिंग सीन होने से काफी चर्चा हुई थी. फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन में नील नितिन मुकेश और सोनल चौहान ने 30 किसिंग सीन देकर उन दोनों स्टार्स को पीछे छोड़ दिया.

फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन नहीं आई पसंद

नील नितिन मुकेश और सौनल चौहान की फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन को लेकर मेकर्स को काफी उम्मीदें थीं. लेकिन फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन के मेकर्स की उम्मीदों पर पानी फिर गया था.

फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन हुई फ्लॉप

नील नितिन मुकेश और सौनल चौहान की फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी. इस फिल्म की इसलिए चर्चा होती है कि इसमें रिकॉर्ड तोड़ किसिंग सीन दिखाए गए हैं.

फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन के मेकर्स का प्लान फेल

फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन को लेकर मेकर्स का प्लान काम नहीं आया. फिल्म में हद से ज्यादा किसिंग सीन और इंटीमेसी लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब नहीं हो पाई.

फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन का कलेक्शन

नील नितिन मुकेश और सौनल चौहान स्टारर फिल्म 3जीः ए किलर कनेक्शन ने मेकर्स का पैसा डुबो दिया था. 13 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड सिर्फ 7.45 करोड़ रुपये कमाए थे.

वर्सटाइल एक्टर बनकर बड़े पर्दे पर छा गए सैफ अली खान

32 साल के एक्टिंग करियर में सैफ अली खान की जर्नी काफी अलग किस्म की रही है। वह रोमांटिक हीरो बनकर इंडस्ट्री में आए, फिर सपोर्टिंग रोल्स में दर्शकों का दिल जीतने की कोशिश की। सैफ अली खान पिछले कुछ वर्षों में नेगेटिव या विलेन के रोल में धाक जमा चुके हैं। इस तरह देखा जाए तो अब के करियर में वह हर जॉनर की फिल्मों में अभिनय के रंग दिखा चुके हैं। सैफ अली खान खुद ही अभिनय की दुनिया में सक्रिय नहीं हैं, उनके परिवार के कई सदस्य फिल्मी दुनिया से नाता रखते हैं।

रोमांटिक हीरो बनकर की शुरुआत- सैफ अली खान ने साल 1993 में फिल्म 'परंपरा' से बॉलीवुड में कदम रखा था। सैफ को बेस्ट मेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड तक मिला। रोमांटिक हीरो के तौर पर वह 'आशिक आवारा' में भी दिखे।लेकिन इन किरदारों में वह दर्शकों पर गहरा असर नहीं छोड़ सके। आगे चलकर सपोर्टिंग रोल में दिखे- जब सैफ अली खान को रोमांटिक फिल्मों में सफलता नहीं मिली तो वह सेकेंड हीरो, सपोर्टिंग रोल करने लगे। अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' में अभिनय करते नजर आए। इस फिल्म में बॉक्स ऑफि पर जमकर कमाई की और सैफ के करियर ग्राफ को भी नीचे जाने से बचा लिया। आगे भी वह 'कच्चे धागे', 'हम साथ साथ हैं', 'क्या कहना', 'दिल चाहता है' और 'कल हो ना हो' जैसी चर्चित फिल्मों में सपोर्टिंग एक्टर के रोल में ही नजर आए।

अमिताभ बच्चन ने अभिषेक की तारीफ की

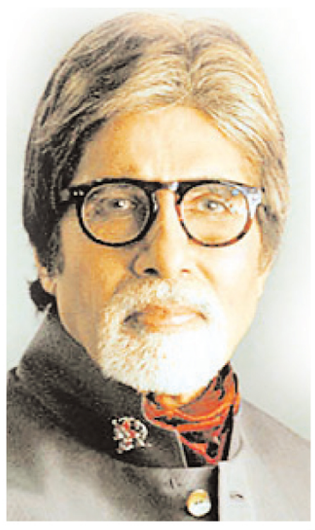

अमिताभ बच्चन ने अपने बेटे अभिषेक बच्चन की तारीफ की है और उनके लिए एक लंबा नोट लिखा है। अमिताभ ने अभिषेक की इसलिए तारीफ की है क्योंकि उन्होंने इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में फिल्म आई वांट टू टॉक के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब जीता है। ऐसे में अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर अभिषेक की तारीफ की

अमिताभ ने की अभिषेक की तारीफ

अमिताभ बच्चन ने खुद को दुनिया का सबसे खुश पिता बताया। उन्होंने एक मैगजीन के कवर पेज पर अभिषेक बच्चन की तस्वीर भी शेयर की। अभिषेक की तस्वीर शेयर करते हुए अमिताभ ने लिखा मैं पूरे ब्रह्मांड में सबसे खुश पिता हूं। अभिषेक, आप परिवार का गौरव और सम्मान हैं।

अभिषेक ने मेलबर्न में अवॉर्ड जीता

अमिताभ बच्चन ने आगे लिखा आप उस झंडे को फहराते हैं जिसे दादाजी ने स्थापित किया था, और इसे बहादुरी और कड़ी मेहनत के साथ आगे बढ़ाया है। इसमें समय लगा, लेकिन आपने हार नहीं मानी। आपने अपनी योग्यता के आधार पर दुनिया को दिखाया है। आपको मेलबर्न में पहला कलाकार घोषित किया गया है। एक पिता के लिए इससे बड़ा कोई उपहार नहीं हो सकता।

अमिताभ ने अभिषेक का हौसला बढ़ाया

अमिताभ ने आगे कहा कुछ साल पहले मैं आपकी एक उत्कृष्ट फिल्म और आपके अभिनय को लेकर बेहद उत्साहित था। इस पर कुछ लोगों ने मेरा और मेरे दिखावे का मजाक उड़ाया था। लोग मुझ पर हंसे थे। उस तिरस्कार भरी हंसी को तालियों और प्रशंसा ने दबा दिया है। अमिताभ ने लिखा जीतना कई बंधनों और जंजीरों का अंतिम जवाब है..! जीत की कीमत बहुत अधिक है। अभिषेक, आपने यह साबित कर दिया है।

इस खास शख्स के बिना अधूरी हैं टीना दत्ता

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को लेकर फैसला सुनाया था, जिसके बाद से डॉग लवर्स की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। इसी कड़ी में टीवी अभिनेत्री टीना दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो अपने पेट डॉग संग दिख रही हैं। साझा की गई तस्वीरों में एक्ट्रेस व्हाइट कलर की ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में एक्ट्रेस हाथ जोड़े हुए दिख रही हैं और जमीन पर उनका डॉग लेटा हुआ है। तस्वीरों को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने डॉग के लिए कैप्शन दिया है। उन्होंने लिखा, 'तुम हो तो सब कुछ अच्छा है, तुम हो तो मेरी दुनिया हसीन है, तुम हो तो मैं हूं, तुम हो तो सब अच्छा लगता है।' इसके आगे उन्होंने कहा, 'तुम मेरी पूरी दुनिया हो, तुम बिना शर्त प्यार सिखाते हो, तुम कितने सुंदर हो, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं।' टीना दत्ता इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनके 4.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

300 से ज्यादा लड़कियों को पछाड़

निधि अग्रवाल बनीं टाइगर श्रॉफ की हीरोइन

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा की चमक-दमक भरी दुनिया में हर साल हजारों नए चेहरों की भरमार होती है, पर इनमें से सिर्फ कुछ ही लोग अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना पाते हैं। इन्हीं में से एक हैं अभिनेत्री निधि अग्रवाल, जिनका सफर एक छोटे शहर की लड़की से बड़े स्क्रीन की चमकदार हीरोइन बनने तक बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने 2017 में रिलीज हुई फिल्म मुन्ना माइकल के जरिए फिल्मी दुनिया में कदम रखा था, लेकिन इस डेब्यू के पीछे की कहानी जितनी फिल्मी लगती है, उतनी ही प्रेरणादायक भी है, क्योंकि निधि को इस रोल के लिए 300 से ज्यादा लड़कियों के बीच से चुना गया था। निधि का जन्म 17 अगस्त 1993 को हैदराबाद में हुआ, लेकिन उनका बचपन बेंगलुरु में गुजरा। हिंदी भाषी मारवाड़ी परिवार में पली-बढ़ी निधि ने बेंगलुरु के विद्याशिल्प अकादमी से अपनी पढ़ाई की शुरुआत की और बाद में क्राइस्ट यूनिवर्सिटी से बिजनेस मैनेजमेंट की डिग्री हासिल की। बचपन से ही उनकी रुचि डांस में थी। बैले से लेकर कथक और बेली डांस तक, निधि ने हर स्टेप को बड़ी मेहनत और लगन से सीखा। ये डांस का हुनर बाद में उनके अभिनय में जान डालता गया। फिल्मी दुनिया में कदम रखना आसान नहीं होता। निधि के लिए भी ऐसा था। लेकिन जब 2016 में निर्देशक सब्बीर खान और निर्माता विक्की राजानी ने फिल्म मुन्ना माइकल के लिए हीरोइन की तलाश शुरू की, तो देशभर से 300 से ज्यादा लड़कियों ने ऑडिशन दिया। हर लड़की में कुछ खास था, पर निधि की चमक अलग थी। उनकी आत्मविश्वास भरी आंखें, डांस की सहजता और अभिनय की क्षमता ने उन्हें सबमें सबसे अलग और खास बना दिया। कहा जाता है कि वह फिल्म के लिए टाइगर श्रॉफ की भी पसंद थीं। 2017 में वह मुन्ना माइकल में टाइगर श्रॉफ के साथ जोड़ी बनाती हुई नजर आई। यह फिल्म जब रिलीज हुई, तो निधि ने साबित कर दिया कि वह सिर्फ एक खूबसूरत चेहरा नहीं, बल्कि एक दमदार कलाकार भी हैं। फिल्म को मिले-जुले रिव्यू के बीच भी निधि की एक्टिंग और डांस ने लोगों का दिल जीत लिया। उनके इस बेहतरीन डेब्यू के लिए जी सिने अवॉर्ड में उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यूटेंट का अवॉर्ड भी मिला, जिसने उनके करियर की शुरुआत को और भी मजबूत बनाया।

रियल लाइफ हीरो सोनू सूद ने वायरल वीडियो के बाद बिहार के दो भाइयों की पढ़ाई की ज़िम्मेदारी उठाई

अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद का दिल जीतने वाला काम कोई नई बात नहीं है, लेकिन इस बार उनकी एक भावुक पहल हर किसी के दिलों को छू रहा है। बिहार के दरभंगा से एक मार्मिक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें दो छोटे भाई एक साइकिल पर दिखते हैं बड़ा भाई साइकिल चला रहा है और छोटा भाई पीछे बैठा गर्व से तिरंगा थामे हुए है। पिता के निधन के बाद भी बड़ा भाई हिम्मत से पैडल मारता दिखता है। यह वीडियो सोनू सूद को अंदर तक छू गया। उन्होंने तुरंत आगे आकर इन दोनों बच्चों की शिक्षा की पूरी ज़िम्मेदारी लेने की घोषणा की। अपने वादे को साझा करते हुए सोनू सूद ने कहा-सोमवार से दोनों भाई स्कूल जाएंगे। मैं नंबर भेज रहा हूं। अपना स्कूल बैग पैक कर लीजिए। जब इन बच्चों की कहानी पूछी गई, तो बड़े भाई ने बताया कि पिता के गुजर जाने के बाद उनकी मां मुंबई में घरेलू काम करती हैं और बड़ी बहन घर संभालती है। परिवार चलाने के लिए उसे खुद स्कूल छोड़कर टोपी बनाने की फैक्ट्री में काम करना पड़ा। लेकिन उसने ठान लिया है कि चाहे जितनी भी मुश्किलें आएं, अपने छोटे भाई की पढ़ाई नहीं रुकने देगा। सोनू सूद की यह रियल लाइफ हीरो वाली छवि उन्हें देश के सबसे प्रिय लोगों में से एक बना चुकी है। महामारी के समय से ही वे ज़रूरतमंदों के साथ खड़े रहे हैं- चाहे वह प्रवासी मज़दूरों की मदद हो या गरीब बच्चों की शिक्षा। उनकी यह नई पहल एक बार फिर साबित करती है कि वे न सिर्फ़ पर्दे पर बल्कि असल ज़िंदगी में भी एक सच्चे हीरो हैं -एक ऐसा इंसान जिसकी करुणा उसके अभिनय से कहीं ज्यादा प्रभावशाली है।

मधुर भंडारकर ने शुरू की 'द वाइफ्स' की शूटिंग ओरी संग नजर आईं मौनी रॉय

डायरेक्टर मधुर भंडारकार ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'द वाइफ्स' की घोषणा पिछले दिनों की। यह फिल्म बॉलीवुड स्टार वाइफ्स के ऊपर बन रही है। एक चर्चित एक्ट्रेस फिल्म में लीड रोल निभा रही हैं। वहीं इंफ्लुएंसर ओरी भी एक अहम किरदार इस फिल्म में कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ओरी ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। साथ में वह चर्चित एक्ट्रेस भी नजर आ रही हैं।

मधुर भंडारकर संग बातचीत करता दिखा ओरी

सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल है, उसमें डायरेक्टर मधुर ओरी और लीड एक्ट्रेस के साथ नजर आए। इंफ्लुएंसर ओरी भी अपने किरदार में नजर आ रहा है। वह ट्रेडिशनल ड्रेस पहने सेट पर मौजूद दिखा। डायरेक्टर और इन एक्टर्स के बीच किसी बात को लेकर डिस्कशन हो रहा था।

मौनी रॉय बॉलीवुड स्टार वाइफ के रोल में नजर आएंगी

सेट पर मौनी रॉय भी दिखीं। वह लाल साड़ी पहने नजर आईं। फिल्म में वह एक बॉलीवुड स्टार वाइफ के रोल में नजर आएंगी। मौनी इस फिल्म में लीड रोल में होंगी। पिछले दिनों मौनी के साथ फोटो साझा करते हुए मधुर भंडारकर ने यह जानकारी साझा की थी। मधुर भंडारकर 'फैशन', 'चांदनी बार', 'हीरोइन' और 'पेज 3' जैसी फिल्मों में अलग-अलग इंडस्ट्री की चमक के पीछे की दुनिया को दिखा चुके हैं। अब वो बॉलीवुड स्टार वाइफ्स की चमकदार दुनिया को बड़े पर्दे पर दर्शकों को दिखाएंगे। बॉलीवुड के कई राज भी वह इस फिल्म के जरिए खोल सकते हैं।

प्रतीक गांधी ने बताया फिल्म इंडस्ट्री का असली सच

अभिनेता प्रतीक गांधी अपनी नई वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा में एक एजेंट का किरदार निभाते नजर आएंगे। हाल ही में अमर उजाला डिजिटल से खास बातचीत में उन्होंने इस सीरीज की तैयारी? अपने किरदार की गहराई और स्कैम 1992 की सफलता के बाद अपनी फिल्मों को मिले मिक्स रिस्पॉन्स के बारे में अनुभव साझा किए। साथ ही, थिएटर की मौजूदा चुनौतियों और अपने अगले प्रोजेक्ट का जिक्र भी किया। वह महात्मा गांधी का रोल निभाने वाले हैं। सीरीज की शूटिंग शुरू करने से पहले मैंने नेटफ्लिक्स पर एक फिल्म देखी थी, जो जासूसों की जिंदगी को बहुत ही नए और दिलचस्प तरीके से दिखाती है। यह अनुभव मेरे लिए बहुत नया था और इससे मुझे विष्णु के किरदार को समझने में मदद मिली। मैंने स्क्रिप्ट को बहुत ध्यान से पढ़ा क्योंकि इसमें बहुत कुछ था जो जानना और महसूस करना जरूरी था। रीडिंग मटीरियल स्क्रिप्ट से कहीं ज्यादा था। चूंकि यह एक लंबी सीरीज थी, इसलिए किरदार की पूरी कहानी को समझना था। आधा पढ़कर मैं फैसला नहीं कर पाया क्योंकि पढ़ने में इतना मजा आ रहा था कि रुकना मुश्किल था। इसे पढ़ते-पढ़ते मुझे यकीन हो गया कि यह शो बहुत अच्छा बनेगा।

तेहरान में काम करने के लिए तुरंत हां कहा था

अभिनेत्री मधुरिमा तुली अपनी फिल्म तेहरान को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उन्होंने जॉन अब्राहम के विपरीत जासूस काजल सिंघानिया का रोल निभाया है। फिल्म में अपने रोल के बारे में मधुरिमा ने कहा कि पिछली फिल्मों के मुकाबले इस फिल्म में उनका रोल एकदम अलग और नया है। बातचीत में मधुरिमा तुली ने कहा मेरे पिछले किरदारों के मुकाबले तेहरान में मेरा रोल सबसे अलग और नया है। मैंन पहले काल्पनिक रोल जैसे राजकुमारी, पुलिस और योद्धा का किरदार निभाया था लेकिन इस फिल्म में असली रोल निभाया है। यह रोल किसी से प्रेरित नहीं है। इस रोल से मैंने जुड़ाव महसूस किया है।

मधुरिमा ने बताया कि वह इस फिल्म में काम करने के लिए बहुत जल्दी तैयार हो गई थीं। उन्होंने कहा तेहरान का पूरा सेट बहुत अच्छा था, चाहे वह मेरे साथी कलाकार हों, प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स हो या फिर कहानी हो। यह सच्ची घटना पर आधारित है। सब कुछ बहुत अच्छा था। इसलिए इस फिल्म को ना कहने के लिए मेरे पास कोई कारण नहीं था। जब मैंने सुना कि यह रोल जॉन के विपरीत है तो मैंने तुरंत इसके लिए हां कह दिया। मधुरिमा को लगता है कि तेहरान ने उन्हें एक जमीनी और भावनात्मक स्तर पर रोल निभाने का मौका दिया है। फिल्म में उन्होंने महिलाओं की ताकत को दर्शाया जो अपने प्रियजनों का सपोर्ट करती है।

साभार एजेंसी

एशिया कप:

टी20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाला बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप-2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होने जा रही है। इस बार यह टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है। यूं तो टी20 फॉर्मेट चौके और छक्कों की बरसात के लिए जाना जाता है, लेकिन हम उस खिलाड़ी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके नाम एशिया कप (टी20 फॉर्मेट) में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड है। यह खिलाड़ी बांग्लादेश के मशरफे मुर्तजा हैं, जो तीन बार शून्य पर अपना विकेट गंवा चुके। दिलचस्प बात यह है कि मुर्तजा तीनों बार एक ही संस्करण में बगैर खाता खोले पवेलियन लौटे हैं।

मशरफे मुर्तजा ने एशिया कप-2016 में पांच मुकाबले खेले थे, जिसमें 22.80 की औसत के साथ कुल पांच विकेट अपने नाम किए। भले ही गेंदबाजी में इस खिलाड़ी का प्रदर्शन संतोषजनक रहा, लेकिन बल्लेबाजी में यह क्रिकेटर कुछ खास नहीं कर सका। मशरफे मुर्तजा पांचों पारियों में बल्लेबाजी के लिए उतरे और 3.50 की औसत के साथ महज 14 रन ही बना सके। इस दौरान उनके बल्ले से सिर्फ दो ही चौके देखने को मिले। टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने के मामले में चरिथ असलंका, आसिफ अली, किंचित शाह, कुसल मेंडिस, हार्दिक पांड्या और दासुन शनाका संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर मौजूद हैं। यह खिलाड़ी दो-दो बार बगैर खाता खोले पवेलियन लौटे हैं।

एशिया कप 2025 में भारतीय टीम 10 सितंबर से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टीम इंडिया का पहला मैच यूएई से होगा, जिसके बाद 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच हाईवोल्टेज मैच खेला जाना है। टीम इंडिया ग्रुप चरण का अपना तीसरा मैच 19 सितंबर को ओमान के खिलाफ खेलेगी। ग्रुप-ए में भारत के अलावा पाकिस्तान, ओमान और यूएई की टीमें हैं, जबकि ग्रुप-बी में बांग्लादेश, श्रीलंका, हांगकांग-चाइना और अफगानिस्तान की टीमें शामिल हैं।

जसप्रीत बुमराह एशिया कप में खेलेंगे या नहीं?

सेलेक्टर्स से कह दी अपने मन की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है. इस बार एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट संयुक्त अरब अमीरात के दो शहरों दुबई और अबू धाबी में खेला जाएगा. टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 9 सितंबर को होगा, जबकि खिताबी मुकाबला 28 सितंबर को निर्धारित है. एशिया कप से पहले भारतीय टीम को बड़ा बूस्ट मिला है. स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने खुद को इस टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध बताया है.

रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह ने अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति को सूचित किया है कि वो पूरी तरह से फिट हैं और टी20 फॉर्मेट में होने जा रहे इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए उत्सुक हैं. एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा 19 अगस्त को हो सकती है, इसके लिए मुंबई में चयनकर्ताओं की बैठक होगी. एक सूत्र ने इस अंग्रेजी अखबार से कहा, जसप्रीत बुमराह ने चयनकर्ताओं को सूचित किया है कि वो एशिया कप में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे. चयन समिति अगले हफ्ते बैठक करके इस पर चर्चा करेगी.

गौतम गंभीर ने तैयार कर लिया भविष्य का रोडमैप; यहां समझें क्या है प्लान

तीनों फॉर्मेट में होगा एक कप्तान!

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम गंभीर अच्छे हेड कोच साबित हुए हैं या नहीं? व्हाइट बॉल मैचों की बात करें तो हां, गंभीर की रणनीतियां टीम इंडिया के पक्ष में रही हैं. वहीं टेस्ट फॉर्मेट में उनके अंडर भारतीय टीम का प्रदर्शन मिला जुला रहा है. इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज ड्रॉ करवाने के बाद गौतम गंभीर का चेहरा आत्मविश्वास से भरा हुआ नजर आया था. बताते चलें कि गंभीर 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप तक भारतीय कोच बने रहेंगे और बतौर कोच पहले ही साल में उन्होंने कुछ कड़े फैसले लिए हैं. अगले 2 साल में आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स की बात करें तो सबसे पहले एशिया कप 2025 की चुनौती होगी. उसके बाद फोकस 2026 टी20 वर्ल्ड कप पर शिफ्ट हो जाएगा, लेकिन इसी दौरान टीम इंडिया को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की पॉइंट्स टेबल में अच्छी स्थिति बरकरार रखनी होगी. उसके बाद 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप के लिए भी गंभीर को सख्त फैसले लेंगे होंगे, खासतौर पर अभी तक विराट कोहली और रोहित शर्मा पर कुछ साफ नहीं है. यहां जानिए बतौर कोच गौतम गंभीर भारतीय टीम के भविष्य के लिए कैसा रोडमैप तैयार कर रहे हैं?

तीनों फॉर्मेट में हो एक कप्तान

इसी साल गौतम गंभीर ने कहा था कि वो तीनों फॉर्मेट में एक कप्तान के साथ काम करना चाहते हैं, क्योंकि एक ही कप्तान के साथ काम करना आसान हो जाता है. साथ ही उन्होंने इसकी जटिलता को भी उजागर किया. गंभीर का कहना था कि टीम इंडिया साल में काफी ज्यादा क्रिकेट खेलती है, ऐसे में ऐसा कप्तान ढूंढ निकालना बहुत मुश्किल होगा, जो तीनों फॉर्मेट खेलता हो. इन दिनों चर्चा है कि भारतीय टीम को तीनों फॉर्मेट में एक ही कप्तान दिया जा सकता है. इसके लिए शुभमन गिल का नाम सामने आया है, जिन्होंने बतौर कप्तान इंग्लैंड में जाकर अपनी पहली टेस्ट ड्रॉ करवाई है. अनुभव के साथ गिल बतौर टेस्ट कप्तान और भी अधिक परिपक्व होते जाएंगे. हाल ही में यह खबर भी सामने आई कि रोहित शर्मा चाहे 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप खेलें, लेकिन वो तब तक कप्तान बने रहेंगे या नहीं, इस पर कुछ कहा नहीं जा सकता. इससे उन संभावनाओं को जन्म मिला है कि ओडीआई कप्तानी भी जल्द शुभमन गिल के कंधों पर आ सकती है. मामला अटक जाता है टी20 कप्तानी पर, जो अभी सूर्यकुमार यादव के पास है. गौतम गंभीर के कोच बनने के बाद भारत हर एक टी20 सीरीज जीता है. चूंकि गंभीर खुद एक कप्तान के साथ काम करने की इच्छा जता चुके हैं, इसलिए बहुत हद तक संभव है कि अगले एक साल के अंदर वो टीम इंडिया का कायापलट कर सकते हैं.

नए खिलाड़ियों पर भरोसा

पिछले एक साल में यह भी साफ हुआ है कि गौतम गंभीर युवाओं पर भरोसा दिखा रहे हैं. टी20 टीम में अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन और अर्शदीप सिंह ने लगातार कमाल का प्रदर्शन किया है. वहीं टेस्ट टीम का भार उठाने के लिए शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल तो हैं ही, साथ ही आकाशदीप, साई सुदर्शन और नितीश कुमार रेड्डी जैसे युवाओं को भी तैयार किया जा रहा है. वनडे फॉर्मेट में अभी रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा जैसे सीनियर मौजूद हैं, जिनपर ऑस्ट्रेलियाई टूर के बाद फैसला लिए जाने की अटकलें हैं.

सूर्यकुमार यादव ने फिटनेस टेस्ट पास किया-एशिया कप में भारत की कप्तानी करेंगे, 19 अगस्त को टीम सिलेक्शन में होंगे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। अब वे 9 सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप में भारतीय टी-20 टीम की कप्तानी करेंगे। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, 34 साल के सूर्यकुमार 19 अगस्त को मुंबई में चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर के साथ मिलकर 15 सदस्यों वाली भारतीय टीम का सिलेक्शन करेंगे।

स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी के बाद वापसी

सूर्यकुमार यादव ने जून 2025 में जर्मनी के म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया (लोअर-राइट एब्डॉमेन) की सर्जरी करवाई थी। इसके बाद उन्होंने बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैब प्रोग्राम पूरा किया और अब उन्हें पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीजन खत्म होने के बाद वे विशेषज्ञ से सलाह लेने के लिए यूनाइटेड किंगडम भी गए थे। उन्होंने सर्जरी के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा था- लाइफ अपडेट, निचले-दाएं पेट में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हुई। सर्जरी सुचारू रही और मैं रिकवरी की राह पर हूं। जल्द ही मैदान पर वापसी की उम्मीद है।

सिनसिनाटी ओपन:

एक बार फिर आमने-सामने होंगे कार्लोस अल्कारेज और सिनर

सिनसिनाटी, एजेंसी। सिनसिनाटी ओपन का फाइनल सोमवार को खेला जाएगा। यह लगातार चौथा मौका होगा जब अल्कारेज और सिनर किसी टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे। सिनर ने हाल ही में विंबलडन के फाइनल में अल्कारेज को हराया था। स्पेन के कार्लोस अल्कारेज और दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर एक बार फिर आमने-सामने होंगे। अल्कारेज और सिनर ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज की और अब ये दोनों शीर्ष खिलाड़ी सिनसिनाटी ओपन के खिताबी मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे। सिनर ने फ्रांस के टेरेंस एटमाने को 7-6, 6-2 से हराया। सिनर की हार्ड कोर्ट में यह लगातार 26वीं जीत है। दूसरी ओर, अल्कारेज में एलेक्सजेंडर ज्वेरेव को हराकर टूर स्तर के लगातार सातवें फाइनल में जगह बनाई।

झारखंड की बेटियों ने चमकाया नाम, भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम में सात खिलाड़ियों का चयन

रांची, एजेंसी। भारतीय टीम के कोच अनवारूल हक ने कहा कि खिलाड़ियों का चयन उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। हमें विश्वास है कि ये बेटियां भूटान में शानदार प्रदर्शन कर देश और झारखंड का नाम रोशन करेंगी।

भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम में झारखंड की सात प्रतिभाशाली बेटियों का चयन हुआ है। यह टीम 20 से 31 अगस्त तक भूटान में आयोजित होने वाली विश्व फुटबॉल चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

गुमला की पांच, रांची और हजारीबाग की एक-एक खिलाड़ी का चयन

चयनित खिलाड़ियों में गुमला जिले से सूरज मुनि, एलिजाबेथ लाकड़ा, अनीता, विनीता और शिवानी शामिल हैं। इसके अलावा रांची (ओरमांझी) की दिव्यानी लिंडा और हजारीबाग की अनुष्का कुमारी को भी भारतीय टीम में जगह मिली है। इन सातों खिलाड़ियों के चयन से उनके परिवारों और जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है।

'मेहनत और अनुशासन का नतीजा है चयन'

भारतीय टीम के कोच अनवारूल हक ने कहा कि झारखंड की ये सातों खिलाड़ी बेहद मेहनती और अनुशासित हैं। उनके अनुसार, खिलाड़ियों का चयन उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। हमें विश्वास है कि ये बेटियां भूटान में शानदार प्रदर्शन कर देश और झारखंड का नाम रोशन करेंगी।

नेशंस कप के लिए भारत के 35 संभावित खिलाड़ियों में नाम नहीं

नया कोच आते ही सुनील छेत्री पर गिरी गाज

नई दिल्ली, एजेंसी। काफा नेशंस कप के लिए भारतीय टीम में सुनील तो हैं, लेकिन वह छेत्री नहीं हैं। भारतीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच बनने के बाद पहली टीम का चयन करते हुए खालिद जमील ने कुछ नए चेहरों पर दांव लगाया है। इनमें सेना के डिफेंडर सुनील बेंचमिन भी शामिल हैं, जिन्होंने डूरंड कप के दौरान ध्यान खींचा।

खालिद जमील की टीम से बड़ा नाम गायब है। यह बड़ा नाम सुनील छेत्री हैं, जो 2024 में संन्यास ले चुके थे। इस साल संन्यास से वापस लौटे। वह अब 29 अगस्त से ताजिकिस्तान के हिसोर में होने वाले मध्य एशियाई टूर्नामेंट के लिए भारत 35 खिलाड़ियों की संभावित सूची में भी शामिल नहीं हैं।

छेत्री को बाहर रखने का कारण नहीं आया सामने: इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है कि छेत्री को टीम में क्यों नहीं शामिल किया गया है। न तो खिलाड़ी की ओर से और न ही महासंघ की ओर से कुछ कहा गया है। महासंघ ने कहा कि 'चयन संबंधी सवाल मुख्य कोच से पूछे जाने चाहिए।' जमील ने भी कोई बयान नहीं दिया।

छेत्री के क्लब ने सैलरी रोकी: छेत्री को ऐसे समय पर नजरअंदाज किया गया है जब उनके क्लब बेंगलुरु एफसी ने हाल ही में इंडियन सुपर लीग को लेकर अनिश्चितता के कारण पहली टीम और कर्मचारियों के वेतन रोक दिए हैं। फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (लीग का संचालन करने वाली संस्था) और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के बीच समझौते के विस्तार को लेकर गतिरोध और सुप्रीम कोर्ट में लंबित एक मामले के कारण आईएसएल का भविष्य अधर में है।

बेंगलुरु के इन खिलाड़ियों को मिला मौका: जमील की टीम में बेंगलुरु के अन्य खिलाड़ी हैं, जिनमें गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू, डिफेंडर चिंगलेनसाना सिंह, राहुल भेके, रोशन सिंह नाओरेम और मिडफील्डर सुरेश सिंह शामिल हैं।

छेत्री मार्च में संन्यास से लौटे: 41 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल जून में कुवैत के खिलाफ मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संन्यास ले लिया था। हालांकि, मार्केज के अशांत कार्यकाल में भारत के गोल करने और मैच जीतने में संघर्ष करने के बाद छेत्री मार्च में मालदीव के खिलाफ मैच में संन्यास से लौटे।

आईएसएल के 11 क्लबों ने एआईएफएफ को पत्र लिखकर दी चेतावनी, गतिरोध का हल नहीं निकलने पर जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को लिखे एक पत्र में क्लबों ने कहा कि राष्ट्रीय महासंघ और आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) का नवीनीकरण नहीं होने के कारण उत्पन्न हुए संकट ने भारत में पेशेवर फुटबॉल को पंगु बना दिया है।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 11 क्लबों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को चेतावनी दी है कि अगर इस शीर्ष-स्तरीय घरेलू प्रतियोगिता के भविष्य को लेकर चल रहे गतिरोध का जल्द ही हल नहीं किया गया तो क्लबों के पूरी तरह से बंद होने का वास्तविक संकट बना रहेगा। आईएसएल का गतिरोध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है जिस कारण चिंता बनी हुई है। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को लिखे एक पत्र में क्लबों ने कहा कि राष्ट्रीय महासंघ और आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) का नवीनीकरण नहीं होने के कारण उत्पन्न हुए संकट ने भारत में पेशेवर फुटबॉल को पंगु बना दिया है।

क्लबों ने पत्र में कहा, पिछले 11 वर्षों में निरंतर निवेश और लगातार प्रयास के माध्यम से क्लबों ने युवा विकास प्रणालियां, प्रशिक्षण अवसंरचना, सामुदायिक पहुंच कार्यक्रम और पेशेवर टीमें बनाई हैं। इन टीमों ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की फुटबॉल साख को बढ़ाया है। यह प्रगति अब पतन की ओर बढ़ने लगी है। मौजूदा परिस्थितियों ने तत्काल और गंभीर परिणाम उत्पन्न किए हैं। मौजूदा समय में संचालन निलंबित होने और लीग की निरंतरता पर कोई निश्चितता नहीं होने के कारण कई क्लबों को पूरी तरह से बंद होने की वास्तविक संभावना का सामना करना पड़ रहा है।

अनिश्चितकाल के लिए रुका है आईएसएल का सत्र

एफएसडीएल ने एमआरए पर हस्ताक्षर नहीं होने का हवाला देते हुए 2025-26 सत्र को 11 जुलाई को अनिश्चितकाल के लिए रोकने की घोषणा की थी जिसके बाद मौजूदा स्थिति उत्पन्न हुई है। इसके बाद कम से कम तीन क्लबों ने अपनी मुख्य टीम के संचालन को रोक दिया है या खिलाड़ियों और कर्मचारियों के वेतन को निलंबित कर दिया है। क्लबों ने लिखा, यह केवल प्रशासनिक गतिरोध नहीं है, बल्कि भारतीय फुटबॉल के लिए एक अस्तित्व का संकट है। हम आपको सबसे गंभीर परिस्थितियों में लिख रहे हैं। लीग की अनिश्चितता के कारण पिछले एक दशक से प्रशंसकों, प्रायोजकों, निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल निकायों के साथ बड़ी मेहनत से बनाया गया विश्वास पर खतरा मंडरा रहा है। इससे लीग को अपूरणीय क्षति पहुंचेगी।

चोट से वापसी के बाद चमके लियोनल मेसी, इंटर मियामी की जीत में दिया योगदान; दागा एक गोल

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी। मेसी चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे। लेकिन उन्होंने इस मैच से वापसी की। मेसी को दो अगस्त को नेकाक्सा के खिलाफ लीग कप मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी ने चोट से वापसी पर चमक बिखेरी और इंटर मियामी की जीत में योगदान दिया। दर्शकों के भारी समर्थन के बीच मेसी ने भी अपने प्रदर्शन से फैंस को निराश नहीं किया।

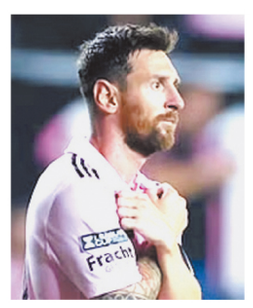

स्टेडियम में लगातार मेसी... मेसी के नारे गूंजते रहे। मेसी ने मैच में एक गोल किया, जबकि एक गोल करने में मदद की जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) फुटबॉल टूर्नामेंट में एलए गैलेक्सी पर 3-1 से जीत दर्ज की। मेसी चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे। लेकिन उन्होंने इस मैच से वापसी की। मेसी को दो अगस्त को नेकाक्सा के खिलाफ लीग कप मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी।

लोकसभा में शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा पर विशेष चर्चा

-विपक्ष ने वोटर वेरिफिकेशन को लेकर किया हंगामा

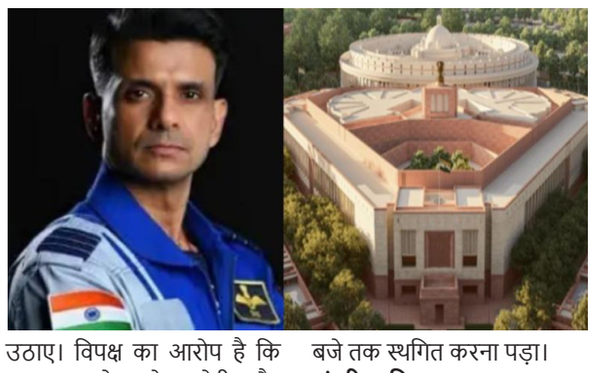

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में सोमवार का दिन भी हंगामेदार रहा। एक ओर जहां लोकसभा में देश के पहले अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक यात्रा और उनके सकुशल लौटने पर विशेष चर्चा रखी गई, वहीं दूसरी ओर विपक्ष ने वोटर वेरिफिकेशन और चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए लगातार नारेबाजी की। इस बीच केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जब देश अंतरिक्ष मिशन की सफलता पर गर्व और जश्न मना रहा है, तब विपक्ष केवल हंगामे और नारेबाजी में व्यस्त है।

अंतरिक्ष से लौटे शुभांशु शुक्ला पर चर्चा

लोकसभा की कार्यवाही सोमवार दोपहर 2 बजे जैसे ही शुरू हुई, स्पीकर ओम बिड़ला ने विशेष चर्चा का प्रस्ताव रखा। यह चर्चा भारत के गौरवपूर्ण अंतरिक्ष मिशन और ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के सुरक्षित वापसी पर केंद्रित थी। शुक्ला ने हाल ही में इसरो और भारतीय वायुसेना के संयुक्त प्रयासों से एक ऐतिहासिक अंतरिक्ष अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया। जितेंद्र सिंह ने चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि आज का दिन भारत के वैज्ञानिक और तकनीकी इतिहास में मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार अंतरिक्ष क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। चंद्रयान और आदित्य मिशन के बाद अब मानव अंतरिक्ष यात्रा ने पूरी दुनिया का ध्यान भारत की ओर खींचा है। सिंह ने कहा, "आज जब पूरा देश शुभांशु शुक्ला की सफलता पर गर्व महसूस कर रहा है, तब विपक्ष का यह रवैया दुखद है। संसद में उन्हें इस गौरवशाली पल पर एकजुट होकर चर्चा करनी चाहिए थी।"

विपक्ष का हंगामा और आरोप

वहीं, विपक्षी दल इस मौके पर भी पीछे हटने को तैयार नहीं दिखे। उन्होंने बिहार वोटर वेरिफिकेशन को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग वोट चोरी और मतदाता सूची में हेरफेर कर रहा है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सैयद नसीर हुसैन ने न्यूज एजेंसी ANI से बातचीत में कहा कि पार्टी लोकतांत्रिक परंपराओं के तहत सभी विकल्पों पर विचार कर रही है। उन्होंने यहां तक कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव भी ला सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि इस मुद्दे पर अभी तक कोई औपचारिक बैठक नहीं हुई है। लोकसभा में विपक्षी सांसदों ने "वोट चोर गद्दी छोड़ो" और "वी वॉन्ट जस्टिस" जैसे नारे लगाए। इससे कार्यवाही लगातार बाधित होती रही।

बार-बार स्थगित हुई कार्यवाही

सुबह की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी हंगामे के कारण लोकसभा को पहले 12 बजे तक स्थगित करना पड़ा। जब दोपहर 12 बजे के बाद कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, तब भी शोर-शराबा जारी रहा। आखिरकार स्पीकर ने 2 बजे तक सदन स्थगित कर दिया। 2 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की चर्चा का प्रस्ताव आया, लेकिन विपक्ष इस समय भी शांत नहीं बैठा। इसी वजह से चर्चा का माहौल गंभीर होने के बजाय बार-बार बाधित होता रहा। इधर, राज्यसभा में भी हालात अलग नहीं थे। वहां भी विपक्षी सांसदों ने वोटर वेरिफिकेशन और चुनाव आयोग की भूमिका पर हंगामा किया, जिसके चलते राज्यसभा को भी 2 बजे तक स्थगित करना पड़ा।

अंतरिक्ष मिशन पर सरकार का संदेश

सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम केवल विज्ञान की उपलब्धि नहीं बल्कि देश की आत्मनिर्भरता और तकनीकी नेतृत्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शुभांशु शुक्ला जैसे साहसी जवानों और वैज्ञानिकों की बदौलत भारत आज अंतरिक्ष में बड़ी ताकत बनकर उभर रहा है। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वे राजनीतिक मतभेदों को परे रखकर इस राष्ट्रीय उपलब्धि पर गर्व करें और देश को एक सकारात्मक संदेश दें।

राजनीतिक टकराव और जनता की अपेक्षाएँ

लोकसभा का यह दृश्य एक बार फिर भारतीय राजनीति की कड़वी सच्चाई को सामने लाता है। जब भी कोई बड़ा राष्ट्रीय अवसर आता है, तब सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ जाता है। जनता की अपेक्षा होती है कि ऐसे मौकों पर राजनीतिक दल एकजुट होकर देश की उपलब्धियों का सम्मान करें। लेकिन, सोमवार को देखने को मिला कि अंतरिक्ष मिशन की चर्चा और जश्न भी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में दब गया। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है। यहां होने वाली हर चर्चा का संदेश सीधे जनता तक जाता है। शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा पर जब चर्चा हो रही थी, तब विपक्ष द्वारा हंगामा करना निश्चित रूप से इस उपलब्धि के महत्व को कम करने जैसा है।

महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन NDA के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार

16 साल की उम्र में RSS से जुड़े, दो बार सांसद और तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष रह चुके

नई दिल्ली । भारतीय राजनीति में रविवार (17 अगस्त 2025) को एक अहम घटनाक्रम सामने आया, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसदीय दल की बैठक के बाद यह घोषणा की गई कि महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन (C.P. Radhakrishnan) को एनडीए (NDA) का उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया जाएगा। भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके नाम का ऐलान किया। राधाकृष्णन 21 अगस्त को औपचारिक रूप से नामांकन दाखिल करेंगे। उपराष्ट्रपति पद का चुनाव 9 सितंबर को होना है और उसी दिन मतगणना (काउंटिंग) भी पूरी कर दी जाएगी। नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त है, जबकि 25 अगस्त तक उम्मीदवार अपनी उम्मीदवारी वापस ले सकते हैं।

क्यों हो रहा है उपराष्ट्रपति का चुनाव?

यह चुनाव इसलिए हो रहा है क्योंकि मौजूदा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक इस्तीफा दे दिया। धनखड़ का कार्यकाल अभी 10 अगस्त 2027 तक था, लेकिन उनके अप्रत्याशित इस्तीफे ने देश की राजनीति में हलचल मचा दी। संसद के दोनों सदनों में एक अहम पद खाली हो गया और अब उसकी पूर्ति के लिए चुनाव हो रहा है।

राजनीतिक करियर

सांसद के रूप में सफलता

सी. पी. राधाकृष्णन ने कोयंबटूर से दो बार लोकसभा का चुनाव जीता। वे 1998 और 1999 में लगातार जीतकर संसद पहुंचे। उनकी सादगी और कार्यशैली के कारण वे अपने क्षेत्र में काफी लोकप्रिय रहे।

भाजपा संगठन में योगदान

राधाकृष्णन तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने राज्य में पार्टी को मजबूत करने के लिए कई अभियान चलाए और संगठनात्मक स्तर पर जमीनी कार्यकर्ताओं से लगातार संपर्क बनाए रखा।

राज्यपाल का कार्यकाल

जून 2023 में उन्हें महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया। राज्यपाल के रूप में उन्होंने शिक्षा, सामाजिक कल्याण और पर्यावरणीय पहलों को बढ़ावा दिया।

खास उपलब्धियां और छवि

राधाकृष्णन को भाजपा में एक निष्ठावान कार्यकर्ता और संघ विचारधारा से जुड़े व्यक्तित्व के रूप में जाना जाता है। वे साफ छवि वाले नेता हैं और उन पर कभी भी बड़े विवाद या भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे। संसद में उनकी सक्रियता, विभिन्न समितियों में योगदान और जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने की क्षमता उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाती है।

उपराष्ट्रपति पद का महत्व

भारत का उपराष्ट्रपति देश का दूसरा सर्वोच्च संवैधानिक पद होता है। उपराष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति (Chairman of Rajya Sabha) भी होते हैं। संसद के ऊपरी सदन को सुचारू रूप से चलाना उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। राष्ट्रपति की अनुपस्थिति या असमर्थता की स्थिति में उपराष्ट्रपति कार्यवाहक राष्ट्रपति की भूमिका भी निभाते हैं। इस लिहाज़ से यह पद भारतीय राजनीति और संसदीय लोकतंत्र के लिए बेहद अहम है।

चुनावी समीकरण

एनडीए (NDA) ने सी. पी. राधाकृष्णन का नाम तय कर विपक्ष पर दबाव बना दिया है। एनडीए के पास लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में पर्याप्त संख्या बल है। ऐसे में उनके उम्मीदवार की जीत लगभग तय मानी जा रही है। हालांकि, विपक्ष यदि किसी साझा उम्मीदवार को उतारता है तो मुकाबला दिलचस्प हो सकता है।

राजनीतिक और सामाजिक संदेश

सी. पी. राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाना भाजपा की दक्षिण भारत में पकड़ मजबूत करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। तमिलनाडु और दक्षिणी राज्यों में भाजपा की राजनीतिक जड़ें अपेक्षाकृत कमजोर रही हैं। ऐसे में दक्षिण भारत से आने वाले एक साफ-सुथरी छवि के नेता को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाकर भाजपा वहां संदेश देना चाहती है कि वह क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को महत्व देती है।

गौरव गोगोई का चुनाव आयोग पर वार: SIR की हड़बड़ी

-फर्जी वोट और पारदर्शिता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव के बाद से लगातार विपक्ष और चुनाव आयोग (EC) के बीच तनातनी बढ़ती जा रही है। ताज़ा बयान में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने चुनाव आयोग को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि जब विपक्ष सवाल पूछ रहा है तो आयोग को जवाब देना चाहिए, लेकिन इसके बजाय वह अपनी ज़िम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रहा है। गोगोई ने खासतौर पर SIR (Systematic Voter Information Register) को लेकर उठे विवाद पर निशाना साधते हुए पूछा कि आखिर इतनी हड़बड़ी में इसे लागू क्यों किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस पर सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनाव आयोग के तर्कों को खारिज किया है, फिर भी आयोग प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राजनीतिक दलों पर ही सवाल खड़े कर रहा है।

महाराष्ट्र के मतदाता लिस्ट पर सवाल

गोगोई ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने अब तक ये स्पष्ट नहीं किया कि महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच 70 लाख नए वोटर्स कहां से आए। यह अचानक हुआ बदलाव गंभीर सवाल खड़े करता है और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर संदेह पैदा करता है। इसी के साथ उन्होंने महादेवपुर विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां एक लाख फर्जी वोट जुड़े हैं, लेकिन इस पर आयोग ने अब तक कोई ठोस जवाब नहीं दिया। विपक्ष का मानना है कि इस तरह की अनियमितताओं से मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं।

सीसीटीवी और पारदर्शिता की मांग

गोगोई ने चुनाव आयोग से सवाल किया कि वोटिंग प्रक्रिया के दौरान लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव आयोग अपनी प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी मानता है तो उसे इस फुटेज को उपलब्ध कराने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए।

चुनाव आयोग का पलटवार

दरअसल, इन आरोपों से पहले चुनाव आयोग ने रविवार को नई दिल्ली स्थित नेशनल मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा था – "प्रेजेंटेशन (PPT) में दिखाया गया डेटा हमारा नहीं है। वोट चोरी जैसे गंभीर आरोप लगाने वाले नेताओं को या तो इसके लिए हलफनामा देना चाहिए या फिर पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए।" आयोग ने यह भी साफ किया कि विपक्ष द्वारा दिखाई गईं कई रिपोर्टें और आंकड़े आयोग से प्रमाणित नहीं हैं।

विपक्ष बनाम चुनाव आयोग – बढ़ता विवाद

इस पूरे विवाद ने राजनीति को और गरमा दिया है। विपक्ष का कहना है कि चुनाव आयोग को सवालों से भागने के बजाय पारदर्शी जवाब देना चाहिए। वहीं, आयोग का दावा है कि उस पर लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं और विपक्ष केवल राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहा है। गौरव गोगोई का कहना है कि जब लोकतंत्र की नींव ही पारदर्शी चुनाव हैं तो आयोग की ज़िम्मेदारी बनती है कि वह हर सवाल का जवाब साफ़ शब्दों में दे। उनका आरोप है कि चुनाव आयोग अब विपक्ष को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहा है, जबकि असल जवाब उसी के पास होना चाहिए।

पाकिस्तानी मंत्री का विवादित बयान: भारत चमकती मर्सिडीज, पाकिस्तान डंपर ट्रक

-6 भारतीय जेट गिराने का दावा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नक़वी ने 17 अगस्त को भारत को लेकर एक नया बयान देकर विवाद खड़ा कर दिया। नक़वी ने भारत की तुलना "चमकती मर्सिडीज" और पाकिस्तान की तुलना "डंपर ट्रक" से की। यह बयान उन्हीं के आर्मी चीफ़ जनरल आसिम मुनीर की कही हुई बात को दोहराने जैसा था। दरअसल, 11 अगस्त को अमेरिका दौरे पर गए जनरल मुनीर ने कहा था कि भारत एक चमकती हुई मर्सिडीज की तरह है और पाकिस्तान रेत से भरे एक भारी डंपर ट्रक की तरह। उन्होंने सवाल उठाया था कि अगर ये दोनों टकरा जाएं तो नुकसान किसका होगा? उनका इशारा साफ था कि ताक़तवर दिखने वाली मर्सिडीज यानी भारत को ऐसी भिड़ंत में ज्यादा नुकसान होगा।

नक़वी का भारत को चुनौती भरा बयान

गृह मंत्री मोहसिन नक़वी ने आर्मी चीफ़ की इस तुलना को सही ठहराते हुए कहा कि पाकिस्तान की सेना और जनता भारत से टकराने से डरती नहीं है। नक़वी ने दावा किया कि मई में भारत-पाकिस्तान के बीच हुई सैन्य झड़प में पाकिस्तान ने भारत के 6 जेट मार गिराए। उन्होंने यहां तक कहा कि इसके सबूत के तौर पर उनके पास वीडियो फुटेज भी मौजूद है। हालांकि, उन्होंने मीडिया या जनता के सामने कोई सबूत पेश नहीं किया। उनके इस बयान ने दोनों मुल्कों के रिश्तों में फिर से तल्ख़ी पैदा कर दी है। भारत ने हमेशा पाकिस्तान के इस तरह के दावों को झूठा और प्रचार का हिस्सा बताया है।

पृष्ठभूमि: पाकिस्तान की अंदरूनी चुनौतियाँ

मोहसिन नक़वी का यह बयान ऐसे समय आया है जब पाकिस्तान आर्थिक और राजनीतिक संकटों से जूझ रहा है। महंगाई, बेरोज़गारी और IMF के दबाव में पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था डांवाडोल है। घरेलू मोर्चे पर आतंकवाद और बलूच विद्रोह जैसी चुनौतियाँ भी पाकिस्तान सरकार और सेना के लिए मुश्किलें बढ़ा रही हैं। ऐसे में भारत को निशाने पर लेने वाले बयानों को वहां की जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने की कोशिश माना जा रहा है।

भारत-पाकिस्तान संबंधों का हाल

भारत और पाकिस्तान के रिश्ते पहले से ही तनावपूर्ण हैं। 2019 के पुलवामा हमले और बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद दोनों देशों के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो गई। भारत लगातार कहता रहा है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली नीतियों से बाज़ नहीं आता, तब तक बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है। दूसरी ओर पाकिस्तान अपनी घरेलू नाकामियों से ध्यान हटाने के लिए भारत-विरोधी बयानबाज़ी करता रहता है।

"मर्सिडीज और डंपर" वाली तुलना का मतलब

आर्मी चीफ़ मुनीर और अब गृह मंत्री नक़वी की यह "मर्सिडीज और डंपर" वाली तुलना दरअसल पाकिस्तान की उस रणनीति को दर्शाती है जिसमें वे कहते हैं कि चाहे भारत आर्थिक और सैन्य रूप से कितना भी मज़बूत क्यों न हो, पाकिस्तान का परमाणु हथियारों और पारंपरिक ताक़त पर आधारित जवाब भारत को भारी पड़ेगा। मर्सिडीज का प्रतीक भारत की आर्थिक तरक्क़ी, आधुनिक तकनीक और ग्लोबल छवि है। जबकि डंपर ट्रक पाकिस्तान की भारी सैन्य शक्ति और जोखिम लेने की नीति का प्रतीक बताया जा रहा है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि यह तुलना सिर्फ़ पाकिस्तान की राजनीतिक बयानबाज़ी है। वास्तविकता यह है कि भारत आज दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, जबकि पाकिस्तान आर्थिक तंगी और कर्ज़ के बोझ से दबा हुआ है।

भारत की चुप्पी और अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया

भारत की ओर से इस बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। भारत की नीति अक्सर ऐसी बयानबाज़ी को नज़रअंदाज़ करने की रही है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान के ऐसे बयानों को प्रचार युद्ध (Propaganda War) माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान बार-बार भारत के खिलाफ झूठे दावे करके अपनी जनता को भरोसा दिलाना चाहता है कि सेना और हुकूमत मज़बूत है। लेकिन हक़ीक़त यह है कि पाकिस्तान को अपनी घरेलू नीतियों और आर्थिक सुधारों पर ध्यान देने की ज़रूरत है। मोहसिन नक़वी का "भारत-मर्सिडीज और पाकिस्तान-डंपर" वाला बयान पाकिस्तान की उस पुरानी सोच को दोहराता है, जिसमें भारत के खिलाफ युद्ध या झड़प को वह अपनी ताक़त दिखाने का ज़रिया मानता है।

पुतिन से मिलने के बाद अब ट्रम्प-जेलेंस्की आमने-सामने: व्हाइट हाउस में होगी बड़ी बैठक

-यूरोप के लीडर्स भी रहेंगे शामिल

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की सोमवार को व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब रूस-यूक्रेन जंग लगातार तीसरे साल में प्रवेश कर चुकी है और यूरोप में असुरक्षा का माहौल गहराता जा रहा है। इस मुलाकात की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि कुछ ही दिन पहले ट्रम्प ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। उस बातचीत से किसी ठोस समझौते की उम्मीद तो टूटी, लेकिन यह संकेत जरूर मिला कि अमेरिका अब सीधे रूस और यूक्रेन दोनों से अलग-अलग वार्ता करके किसी तरह का समाधान निकालना चाहता है।

यूरोप के बड़े लीडर्स भी होंगे शामिल

व्हाइट हाउस में होने वाली इस बैठक में सिर्फ ट्रम्प और जेलेंस्की ही नहीं, बल्कि यूरोप के कई बड़े नेता भी मौजूद रहेंगे। इनमें यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन, नाटो महासचिव मार्क रूटे, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी शामिल होंगे। इन नेताओं की मौजूदगी से साफ है कि अमेरिका इस बार यूक्रेन वार्ता को सिर्फ "दो देशों" तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि यूरोप की सामूहिक भागीदारी के साथ आगे बढ़ाना चाहता है।

पिछली मुलाकात रही थी विवादों में

ट्रम्प और जेलेंस्की की 7 महीने में यह तीसरी मुलाकात होगी। पिछली बार जब जेलेंस्की अमेरिका पहुंचे थे तो दोनों नेताओं के बीच जमकर बहस हुई थी। ट्रम्प ने सीधे तौर पर जेलेंस्की से कहा था कि "यूक्रेन अमेरिकी मदद का आभारी नहीं है और केवल और सहायता की मांग करता रहता है।" इस बयान से माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया था। नतीजा यह निकला कि अमेरिका और यूक्रेन के बीच प्रस्तावित मिनरल डील अधर में लटक गई। उस मुलाकात के बाद दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट बढ़ी और सहयोग की संभावनाएं कमजोर हो गईं।

तनाव घटाने के लिए बहुपक्षीय बैठक

विशेषज्ञ मानते हैं कि इस बार अमेरिका और यूरोप, दोनों ही नहीं चाहते कि बातचीत किसी बहस या आरोप-प्रत्यारोप के बीच टूट जाए। शायद यही कारण है कि इस बार कई यूरोपीय नेता भी मौजूद रहेंगे। जेलेंस्की के लिए यह बैठक बेहद अहम है क्योंकि उन्हें पश्चिमी सहयोगियों का भरोसा बनाए रखना है। वहीं, ट्रम्प पर यह दबाव है कि वे अमेरिका की कूटनीति को "आक्रामक" नहीं बल्कि "संतुलित" दिखाएं।

वार्ता का एजेंडा

जंग रोकने की पहल – मुख्य एजेंडा रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के संभावित रास्तों पर चर्चा करना है। सुरक्षा गारंटी – यूक्रेन चाहता है कि अमेरिका और नाटो देश उसकी सुरक्षा की गारंटी दें। आर्थिक सहयोग – युद्धग्रस्त यूक्रेन को आर्थिक पुनर्निर्माण के लिए पश्चिमी देशों से बड़े पैमाने पर मदद चाहिए। ऊर्जा और मिनरल डील – पिछली मुलाकात में जो मिनरल डील अटक गई थी, उसे फिर से पटरी पर लाने की कोशिश होगी। रूस पर दबाव – यूरोपीय देश चाहते हैं कि अमेरिका रूस पर और सख्त पाबंदियां लगाए।

पिछली घटनाओं की पृष्ठभूमि

ट्रम्प और जेलेंस्की की तीखी बहस के बाद रिश्तों में जो ठंडापन आया, वह अप्रैल में भी नजर आया। दोनों नेता रोम में पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में आमने-सामने हुए थे, लेकिन उस मुलाकात में भी कोई औपचारिक बातचीत नहीं हो पाई। सोमवार की बैठक से पहले भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यही डर सता रहा है कि कहीं एक बार फिर दोनों नेताओं के बीच गर्मा-गर्म बयानबाजी माहौल को बिगाड़ न दे।

संभावित नतीजे

अगर सहमति बनती है – तो यूक्रेन को आर्थिक मदद और सुरक्षा गारंटी मिल सकती है। रूस पर भी वार्ता का दबाव बढ़ेगा। अगर बहस बढ़ी – तो यह मुलाकात पिछली बार की तरह बेनतीजा साबित होगी और यूक्रेन को मिलने वाली मदद पर संकट गहराएगा। यूरोप का दबाव – यूरोपीय लीडर्स चाहते हैं कि ट्रम्प किसी तरह की "आक्रामक डील" न करें, बल्कि संतुलित रुख अपनाएं।

मुंबई में मूसलाधार बारिश से जनजीवन ठप: स्कूल-कॉलेज बंद

-फ्लाइट्स-ट्रेनों में देरी

मुंबई। मुंबई और आसपास के इलाकों में सोमवार सुबह से लगातार हो रही तेज बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। शहर के कई हिस्सों में पानी भर गया है, जिससे यातायात व्यवस्था ठप हो गई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) ने हालात को देखते हुए सोमवार को सभी स्कूल और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बेहद ज़रूरी काम के बिना घरों से बाहर न निकलें।

24 घंटे में 54 मिमी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, मुंबई में पिछले 24 घंटे में 54 मिमी बारिश दर्ज की गई है। लगातार हो रही वर्षा की वजह से लो-लाइंग एरिया में पानी भरने की स्थिति बन गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले कुछ घंटों में अत्यधिक बारिश हो सकती है।

ट्रैफिक और पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर असर

लगातार हो रही बारिश के कारण सड़कों पर लंबा जाम लग गया है। कई गाड़ियां पानी में फंस गई हैं। लोकल ट्रेन, जिसे मुंबई की लाइफ़लाइन माना जाता है, 15 से 20 मिनट की देरी से चल रही है। मुंबई एयरपोर्ट पर भी स्थिति सामान्य नहीं है। फ्लाइटरडार24 वेबसाइट के अनुसार, यहां फ्लाइट्स औसतन 54 मिनट लेट हैं। एयरपोर्ट प्रशासन ने हालांकि सटीक आंकड़ा नहीं बताया है कि कितनी उड़ानें प्रभावित हुई हैं। यात्रियों को एयरपोर्ट पहुंचने से पहले अपनी उड़ान का स्टेटस चेक करने की सलाह दी गई है।

अन्य राज्यों में भी बारिश का कहर

मुंबई ही नहीं, बल्कि उत्तर भारत के कई हिस्से भी भारी बारिश से प्रभावित हैं। हिमाचल प्रदेश : यहां पिछले तीन दिनों से मूसलाधार बारिश हो रही है। चंडीगढ़-मनाली फोरलेन समेत तीन राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो चुके हैं। इसके अलावा, राज्य की लगभग 400 सड़कें बंद हैं, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। उत्तराखंड : यहां गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे टूटने और बहने की वजह से बंद कर दिए गए हैं। यात्रियों और श्रद्धालुओं को फिलहाल यात्रा न करने की सलाह दी गई है। जम्मू-कश्मीर : यहां भी लगातार हो रही बारिश से नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है और भूस्खलन की घटनाएं सामने आ रही हैं।

प्रशासन की अपील

मुंबई प्रशासन ने कहा है कि इस समय स्थिति को नियंत्रित करने की पूरी कोशिश की जा रही है। पंपिंग स्टेशनों की मदद से पानी निकासी का काम जारी है। BMC ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं ताकि लोग किसी भी आपात स्थिति में मदद ले सकें। मौसम विभाग का कहना है कि मुंबई, ठाणे और पालघर ज़िलों में अगले 24 घंटे तक भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी रहेगा।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,